वार्तालाप-598, पोखरा (नेपाल), दिनांक 07.07.08
Disc.CD No.598, dated 07.07.08 Pokhra (Nepal)
Extracts-Part-1

समयः 03.40-05.20
जिज्ञासुः विष्णु सहस्त्रनाम गाया हुआ है।
बाबाः विष्णु के सहस्त्रनाम इसलिए गाए हुए हैं कि ब्रह्मा की हज़ार भुजाएं गाई हुई हैं। ब्रह्मा की कितनी भुजाएं हैं? (जिज्ञासु - हज़ार) हज़ार सहयोगी बनते हैं तो ब्रह्मा सो क्या बन जाता है? (जिज्ञासु - विष्णु) विष्णु बन जाता है। तो ब्रह्मा कहता है कि, अरे हम अकेले क्यों विष्णु बनें? हज़ार लोगों ने हमें सहयोग किया है। तो उन लोगों का भी नाम अपने (नाम के) साथ जोड़ के रखेंगे। अकेले नहीं। जैसे शिवबाबा कहते हैं ना, शिवबाबा कहते हैं, अरे हम अकेले अपना नाम क्यों रखें दुनिया में? शंकर ने भी तो हमको बहुत सहयोग दिया ना। तो जी जान से सहयोग दिया है तो शंकर का नाम अपने साथ ही साथ ही रख लेंगे। तो शिव-शंकर ऐसे कहा जाता है ना। तो ऐसे ही विष्णुजी महाराज ने क्या सोचा? अरे हम अकेला अपना नाम क्यों बाला करें? अपने नाम के साथ जो हज़ार सहयोगी बनें हैं, बने कि नहीं बने? (जिज्ञासु - बने) जब ब्रह्मा के रूप में हज़ार ब्रह्मा की भुजाएं सहयोगी बनीं। तो उनको भी साथ ले लिया। इसलिए विष्णु सहस्त्रनाम का गायन है। नाम कब पड़ता है? (जिज्ञासु - काम) कुछ काम किया होगा तभी तो नाम पड़ेगा। तो विष्णु के साथ वो हज़ार भुजाओं ने काम किया। ब्रह्मा की भुजाओं के रूप में। इसलिए विष्णु सहस्त्रनाम पड़ा हुआ है।

Time: 03.40-05.20
Student: Vishnu *Sahastrnaam* (thousand names of Vishnu) is famous.
Baba: Thousand names of Vishnu are famous because the thousand arms of Brahma are famous. How many arms does Brahma have? (Student: Thousand.) Thousand [arms] become helpers. So, what does Brahma become? (Student: Vishnu.) He becomes Vishnu. So, Brahma says: Why should I alone become Vishnu? A thousand people have helped me. So, I will adjoin the names of those people also with my name. I will not [become well known] alone. For example, Shivbaba says: *Arey*, why should I make only My name well known in the world? Shankar has also helped Me a lot, hasn't he? He has helped Me heartily, so I will adjoin Shankar's name with Mine. So, it is said Shiva Shankar, isn't it? Similarly, what did Vishnu*ji mahaaraaj* think? *Arey*, why should I make only my name famous? Along with my name, the thousand [arms] who have become helpers; have they become or not? (Student: They have.) When thousand arms of Brahma have become helpers in the form of Brahma, so he also took them (their name) along [with his name]. This is why there is the praise of Vishnu *sahastrnaam*. When is a name given? (Student: Task.) They must have performed some task only then will they be given name. So, along with Vishnu those thousand arms have performed the task in the form of the arms of Brahma. This is why the name Vishnu *Sahastranaam* has been given.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

शंकरजी का सहस्त्र नाम नहीं है। वो बिचारे अकेले रह गए। शंकरजी को भुजाएं दिखाई जाती हैं क्या? (जिज्ञासु - नहीं) नहीं। ज्यादा से ज्यादा चार भुजाएं दिखाई गई हैं। दो शंकरजी की, दो पार्वती की। बस। इससे ज्यादा नहीं।

Shankar*ji* does not have thousand names. Poor fellow, he remained alone. Is Shankar*ji* shown with arms? (Student: No.) No. At the most four arms are shown [to him]. Two of Shankar*ji* and two of Parvati. That is all. Not more than that.

समयः 07.50-10.20

जिज्ञासुः नारायण को लक्ष्मी के राइट हैंड साइड में क्यों दिखाते हैं?

बाबाः एक होते हैं लेफ्ट भुजा, बाईं भुजा। और एक होती है दायीं भुजा। झाड़ के चित्र में जैसे कि बाईं ओर के धर्म हैं। कौन-कौन से? इस्लाम धर्म, क्रिश्चियन धर्म, मुस्लिम धर्म, ये बायीं ओर के धर्मों में ज्यादा व्यभिचार है या जो दायीं ओर के धर्म हैं - बौद्धी धर्म, सन्यास धर्म, सिक्ख धर्म, इनमें ज्यादा व्यभिचार है? ज्यादा तलाक प्रथा कौनसे धर्मों में है? (जिज्ञासु - बायीं ओर) वो गंदे हैं या ये गंदे हैं? (जिज्ञासु - वो गंदे हैं) वो गंदे हो गए बाईं ओर वाले। बाएं हाथ से गंदा काम किया जाता है, गंदगी सफाई की जाती है या दायें हाथ से गंदगी सफाई की जाती है? (जिज्ञासु - बाएं हाथ से) बाएं हाथ से गंदगी की सफाई करते हैं।

Time: 07.50-10.20

Student: Why is Narayan shown at the right hand side of Lakshmi?

Baba: One kind is of *left* arm. And one is right arm. For example, in the picture of the Kalpa Tree, there are religions on the left side. Which ones? Islam religion, Christian religion, Muslim religion; is there more adultery in these religions on the left side or is there more adultery in the religions on the right side, [i.e.] the Buddhist religion, Sanyas religion, Sikh religion? In which religions is the practice of divorce more prevalent? (Student: On the left side.) Are **those** (left side religions) dirty or are **these** (right side religions) dirty? (Student: They are dirty.) Those on the left side are dirty. Are dirty tasks performed, is dirt cleaned with the left hand or is dirt cleaned with right hand? (Student: With left hand.) Dirt is cleaned with the left hand.

तो लक्ष्मी अच्छा काम करती है या खराब काम करती है? (जिज्ञासु - अच्छा काम) वो तो पवित्र रहने वाली है। और जन्म-जन्मान्तर लक्ष्मी पवित्र रहती है। एक जन्म की तो बात नहीं। पार्वती का तो विरुद ही था जन्म-जन्म लगी रगर हमारी वरौं शंभु न तु रहूँ कुंवारी। या तो शंकरजी का वरण करूंगी और नहीं तो कुंवारी रहना अच्छा है। मैं किसी दूसरे के साथ शादी, दूसरी आत्मा के साथ मेरा वरण नहीं होना चाहिए। तो अनेक जन्मों की जो प्योरिटी है जिसमें आत्मा में भरी हुई होगी उसको राइट हैंड की तरफ रखना चाहिए कि लैफ्ट हैंड की तरफ रखना चाहिए? (जिज्ञासु - राइट हैंड) इसलिए रखा हुआ है। खराब काम कर दिया? हँ? नारायण ने खराब काम कर दिया क्या? (जिज्ञासु - नहीं।) नहीं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

So, does Lakshmi perform good task or does she perform bad task? (Student: Good task.) She remains pure. And Lakshmi leads a pure life for birth after births. It is not about one birth. The very oath of Parvati was, birth after birth this is my vow that either I will marry Shambhu[1] or I will remain unmarried (*janam janam lagi ragar hamaari varau Shambhu na tu rahuun kuwaari*). Either I will marry Shankar*ji* or it is better for me to remain unmarried. I will not marry any other person; I should not be married to any other soul. So, should the soul which is full of *purity* for many births be kept on the *right hand* side or on the *left hand* side? (Student: Right hand.) This is why she has been placed [on the right hand side]. Was something wrong done? Did Narayan do something wrong? (Student: No.) No.

दूसरा जिज्ञासुः लेकिन चरण दबाते हुए तो वो चित्र जब ब्रम्हा बाबा ने शुरु में देखा था...
बाबाः वो तो संगमयुग का चित्र है न कि सतयुग का?
दूसरा जिज्ञासुः वो उनको पसन्द नहीं आया था ना बाबा।
बाबाः ब्रह्मा बाबा को इतनी अकल ही नहीं थी कि कौनसे चरण हैं। ये तो बुद्धि रूपी पांव दबाने की बात है। सारी दुनिया की आनियां-परेशानियां, सब अपनी-अपनी समस्याएं उनको सुनाएंगे, विश्व महाराजन को तो माथा नहीं दर्द करने लगेगा?

Second student: But the picture that Brahma Baba saw in the beginning which showed her pressing the feet [of Narayan]...
Baba: Is it a picture of the Confluence Age or of the Golden Age?
Second student: Baba, he did not like that, did he?
Baba: Brahma Baba did not have so much intelligence [that he would understand] which feet they were? It is about pressing the feet like intellect. When everyone tells his/her problems, difficulties to the world emperor, will his head not ache?

दूसरा जिज्ञासुः वो चित्र को हटा दिया ना उन्होंने।
बाबाः उन्हें इतनी अकल नहीं थी ना। वो समझते थे स्थूल पांव दबा रही होगी। स्थूल पांव दबाने की तो बात ही नहीं है। कौन से पांव दबा रही है? (जिज्ञासु - बुद्धि रूपी पांव) वो बुद्धि रूपी पांव को दबाती है। अपनी पवित्रता के बल से।

Second student: He removed that picture, didn't he?
Baba: He did not have so much intelligence. He used to think that she must be pressing his physical feet. It is not about pressing the physical feet at all. Which feet was she pressing? (Student: The feet like intellect.) She presses the feet like intellect through her power of purity.

समयः 10.25-11.05

जिज्ञासुः बाबा ये जब नया दुनिया आने वाला है। उस टाइम मुरली में बोला है राजस्थान सभी को ले जाएंगे।

[1] A name of Shankar

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः राजाओं के स्थान में ले जाएंगे। वो राजस्थान तो स्थूल है। राजाओं के स्थान में ले जाएंगे। राजाओं के स्थान की राजधानी वहाँ जयपुर होगी। वहाँ फिर किसी की हार? हार नहीं होगी। जय ही जय होती रहेगी। कहते हैं ना, जय श्री राम।

जिज्ञासुः स्थूल में भी जयपुर है ना बाबा।

बाबाः बिल्कुल-बिल्कुल। स्थूल में है तो सूक्ष्म में भी होगा।

Time: 10.25-11.05

Student: Baba, the new world is going to come. It has been said in the murli that everyone will be taken to Rajasthan at that time.

Baba: You will be taken to the place of kings (*rajaon ke sthaan*). That Rajasthan is physical. You will be taken to the place of kings. The capital of that place of kings will be Jaipur (abode of victory). Nobody will suffer defeat there. They will become only victorious there. It is said: '*Jai Shri* Ram[2]', isn't it?

Student: Baba, there is Jaipur in physical form as well, isn't there?

Baba: Definitely. When it (Jaipur) is in physical form it will be in subtle form as well.

समयः 11.05 -12.50

जिज्ञासुः जरासिंध को भीम ने युद्ध में दो टुकड़े कर दिया। बीच में से फाड़ दिया। फिर आकर जुड़ता है। फिर जिन्दा हो जाता है। और कृष्ण ने उसको इशारा दिया उसको ऐसे फेंक दो अलग-अलग।

Time: 11.05 -12.50

Student: Bhim[3] tore Jarasindh[4] into two pieces in the war. He tore him apart from the middle. Then it joins once again. He becomes alive once again. And Krishna hinted to him (Bhim), to throw it (the two pieces of body) like this separately (in opposite directions).

बाबाः कृष्ण ने इशारा दिया भीम को कि तुम इसको बीच से अलग-अलग करके और उल्टी दिशा में फेंक दो। क्या? (जिज्ञासु - इसका अर्था क्या?) इसका अर्थ ये कि वो दोनों तरफ का है। जरासिंधी। क्या? नया सिंधी थोड़े ही है। कैसा सिंधी है? जरा माने पुराना। पुराना सिंधी है। बहुत पावरफुल है। ये दोनों तरफ से तैयार होता है। जब ब्रह्मा बाबा सिंध, हैदराबाद छोड़ के आये और दुकान उन्होंने अपनी कहाँ रखी? कलकत्ते में। तो पूरब साईड में आ गए कि पश्चिमी सभ्यता के रह गए? (जिज्ञासु - पश्चिमी) नहीं। कलकत्ता है पूरब में। पूरब में आ गए। तो दो हिस्से हो गए। प्रजापिता तो था ही पूरब का। लेकिन वो भी किधर आ गए? पूरब में आ गए। तो दोनों मिलकरके एक हो गए। तो दोनों क्या हुए वास्तव में? दोनों ही मिलकरके जरासिंधी हो गए। पुराने सिंधी कौन हुए? एक ब्रह्मा बाबा ही पुराना सिंधी नहीं है। राम वाली आत्मा भी पुराना सिंधी है।

---

[2] Hail to Ram
[3] Name of one of the five Pandavas.
[4] A villainous character in the epic Mahabharat.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Krishna gave a hint to Bhim, 'separate him from the center and throw the two halves [of the body] in opposite directions'. What? (Student: What does it mean?) It means that he is from both sides. Jarasindhi. What? He is not a new Sindhi. What kind of Sindhi is he? *Jara* means old. He is an old Sindhi. He is very *powerful*. He is formed from both sides. When Brahma Baba left Sindh Hyderabad, where did he establish his shop? In Calcutta. So, did he come to the East or did he remain of the Western culture? (Student: Western.) No. Calcutta is in the East. He came to the East. So, two parts were formed. Prajapita was already from East. But where did he (Brahma Baba) too reach? He too came to East. So, both became one. So, what are both of them in reality? Both of them together are Jarasindhi. Who are the old Sindhis? Brahma Baba alone is not an old Sindhi. The soul of Ram is also an old Sindhi. ...(to be continued)

Extracts-Part-2

समयः 12.50-17.08

जिज्ञासुः धृतराष्ट्र अंधा कैसे हो गया? किसका सूचक है?

बाबाः अज्ञान का अंधा हुआ। जिसने सारी धन-संपत्ति हड़प करके अपने कब्जे में ले ली। वो धृतराष्ट्र हो गया। क्या? यज्ञ में भी ऐसे ही हुआ। अलफ को मिला अल्लाह, बे को मिली बादशाही। तो अलफ कौन है? अलफ कौन है जो पुरुषार्थ में खड़ा रहता है? (जिज्ञासु - राम बाप) राम वाली आत्मा आदि में भी पुरुषार्थ में खड़ी थी और अंत में भी अभी? पुरुषार्थ में खड़ी है और अंत तक भी पुरुषार्थ में खड़ी रहेगी। इसलिए वो खड़ा डंडा हो गया। अलफ को मिला अल्लाह। उसको क्या मिल गया? अल्लाह। और बे? जो पड़ा डंडा होता है उसको कहते हैं बे उर्दू में। वो ब्रह्मा बाबा। आदि में तो खड़े थे, लेकिन 68 में क्या हुआ 69 में? हार्ट फेल हुआ और गिर गए। तो पड़ा डंडा हो गया। बे को मिली बादशाही। क्यों पड़ा डंडा हुआ? क्योंकि उनको इतना ज्ञान नहीं था कि ईश्वर आया हुआ है, भगवान आया हुआ है। भगवान आया हुआ है तो आपाधापी नहीं करना चाहिए। ये भी मेरा, वो भी मेरा, वो भी मेरा। नहीं। सब कुछ तेरा। यज्ञ की सारी संपत्ति जो है, सारा जो मान मर्तबा है वो खुद लेकरके बैठ गए। देना चाहिए था प्रजापिता को।

Time: 12.50-17.08

Student: How did Dhritrashtra (father of Kauravas) become blind? Whom does it indicate?

Baba: He is blind due to ignorance. The one who usurped and took the entire wealth and property in his possession happens to be Dhritrashtra. What? It happened like this in the *yagya* as well. *Alaf* got Allah (God). *Be* got emperorship (*baadshaahi*). So, who is *Alaf*? Who is the *Alaf* who remains standing in *purusharth* (spiritual effort)? (Student: Father Ram.) The soul of Ram remained standing in *purusharth* in the beginning [of the *yagya*] as well as now in the end? It is standing in *purusharth* and it will remain standing in *purusharth* till the end as well. This is why he happens to be the vertical line. *Alaf* got Allah. What did he get? Allah. And *Be*? The horizontal line is called *Be* in Urdu. That is Brahma Baba. He **was** standing in the beginning. But what happened in 68 - 69? He suffered *heart* failure and [he] fell down. So, he happened to be the horizontal line. *Be* got the emperorship. Why is he the horizontal line? It is because he did not have the knowledge that God has come. When God has come, you should not become selfish (*aapadhaapi*). This is also mine, that is also mine; that also is mine.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

No. Everything is Yours (God's). He took the entire property of the *yagya*, the entire respect and position for himself. He should have given it to Prajapita.

उनके साक्षात्कारों का रहस्य किसके द्‌वारा मिला? प्रजापिता के द्‌वारा। तो उसको गुरु मानना चाहिए ना। लेकिन ये बात उनकी बुद्धि में नहीं आई। क्यों नहीं आई? इसलिए नहीं आई कि ब्रहमा बाबा की तो बड़ी दुकान थी। और भागीदार की? छोटी सी दुकान थी। तो छोटी सी दुकान छोड़ करके उनकी बड़ी दुकान में आकरके नौकर बना था। तो नौकर को गुरु कैसे मान लें? ये मान मर्तबा आ गया। तो अज्ञान के अंधे हुए या ज्ञान हुआ? अज्ञान के अंधे हुए। बाप को नहीं पहचाना। ये बाप का पार्ट है। इसलिए धृतराष्ट्र कहा जाता है। धृत माने धर ले। राष्ट्र माने धन संपत्ति। माने यज्ञ की सारी धन-संपत्ति उन्होंने अपने कब्जे में कर ली।

Through whom did he get the [explanation of the] secrets of his visions? Through Prajapita. So, he should have considered him guru, shouldn't he? But this did not come in his intellect. Why not? It did not come [in his intellect] because Brahma Baba had a bigger shop. And what about the partner? He had a small shop. So, he had left his small shop and became a servant in his bigger shop. So, [he thought], how can I accept a servant as guru? He became conscious of his position. So, was he blind due to ignorance or did he have knowledge? He was blind due to ignorant. He did not recognize the Father, [that] this is the Father's *part*. This is why he is called Dhritrashtra. *Dhrit* means the one who takes into his possession. *Rashtra* means wealth and property. It means that he took under his possession the entire wealth and property of the *yagya*.

जिज्ञासु: फिर गांधारी ने पट्टी बांधा था ना ।

बाबा: तो कुमारका दादी ने अपने अज्ञान की पट्टी नहीं बांधी अपनी आँखों पे? हँ? बांधी कि नहीं बांधी? (जिज्ञासु: हाँ।) जानबूझकर सारा, सब कुछ समझती थी कि सच्चाई क्या है? फिर भी आँखों पे पट्टी बांध करके बैठ गई कि ये ज्ञान झूठा है। कौनसा ज्ञान? एडवांस ज्ञान। सबसे पहले तो एडवांस ज्ञान दादी के सामने रखा गया। जो जो बातें निकलती गईं एडवान्स ज्ञान में सारी लिख-लिखकरके हेड आफिस में भेजी जाती रही रजिस्टर्ड पोस्ट से। आँखों पे पट्टी बांध ली। नहीं, झूठा है। नहीं, गलत है। हम नहीं सुनेंगे। मुसलमान लोग क्या करते हैं? भगवान को याद करते हैं और कान में? कान में उंगली दे देते हैं। हम सच्चाई को सुनेंगे ही नहीं। उनके यहाँ मान्यता भी है, कि अगर गंगाजी का जल काबा में जाके कोई चढ़ा देगा तो दुनिया का, हमारे कुल का विनाश हो जाएगा। इसलिए बहुत मिलेट्री रखते हैं इस बात के लिए। असली बात क्या है? ये जो ज्ञान जल है, अगर माउंट आबू में पहुँच जाए और वहाँ के सब भाई बहनों को सुना दिया जाए, तो क्या होगा? इस्लाम धर्म का खात्मा हो जाएगा। ये जो कान में उंगली देने वाले हैं, हम नहीं सुनेंगे किसी की बात। वो सब नष्ट हो जाएंगे। अभी बीके में मुसलमानों की संख्या ज्यादा है या देवता धर्म की संख्या है? (जिज्ञासु - मुसलमानों की) सब मुसलमान हैं। कान में उंगली दे देंगे। हम नहीं सुनेंगे। हमको मत सुनाओ।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Then Gandhari blindfolded herself, didn't she?
Baba: So, didn't Dadi Kumarika blindfold her eyes with ignorance? Did she tie it or not? (Student: Yes.) [She blindfolded herself] deliberately; she understood everything regarding what truth is. Yet, she blindfolded her eyes, [saying] this knowledge is false. Which knowledge? The advance knowledge. In fact, the advance knowledge was presented before *Dadi* first. Whichever [new] topic emerged in the advance knowledge was written and sent by *register post* to the *head office*. She blindfolded herself [saying]: No, it is false. No, it is wrong. I will not listen to it. What do Muslims do? They remember God and what do they do to their ears? They put a finger in their ears. We will not listen to truth at all. They (people of Islam) also have a belief among them that if someone makes a religious offering of the water of the Ganges at Kaaba[5], then their clan will be destroyed. This is why they keep a big *military* (security) for this purpose. What is the truth [behind that belief]? What will happen if this water of knowledge reaches Mount Abu and all the brothers and sisters there are explained that? Islam religion will be destroyed. All these people who put a finger in their ears that we will not listen to anyone will be destroyed. Is the number of Muslims more among the BKs or is the number of [followers of] deity religion more? (Student: Number of Muslims.) All are Muslims [there]. They will put a finger in the ears [and say:] I will not listen. Don't narrate to me.

समयः 17.10-18.05
जिज्ञासुः बाबा, ये नीली मक्खी का अर्थ? किस समय का सूचक है बाबा?
बाबाः नीलिमा?
जिज्ञासुः नीली मक्खी।
बाबाः नीली मक्खी। हाँ।
दूसरा जिज्ञासुः अभी जो बाबा ने बताया मिठाई पर नीली मक्खी होती है। ... वो पूछ रही है कि नीली मक्खी किस बात का सूचक है?
बाबाः नीली मक्खी विषैली मक्खी का सूचक है। विषैली मक्खी है।
दूसरा जिज्ञासुः बेहद में पूछ रही है।
बाबाः हाँ, यहाँ भी विषैले, ज्ञान में चलने वाले विषैले, ज्ञान में भी चलते हैं और व्यभिचार में भी चलते रहते हैं।
जिज्ञासुः किस समय का माना जाएगा ?
बाबाः जो विषैली मक्खी होगी वो व्यभिचारिणी होती है। व्यभिचारिणी होने के कारण वो सत्यानाश करेगी। बीमारियाँ फैलायेगी। शहद की मक्खी अच्छी होती है।

Time: 17.10-18.05
Student: Baba, what is the meaning of this blue fly (*neeli makkhi*)? Baba, it is a memorial of which time?
Baba: *Neelima* (blueness)?
Student: *Neeli makkhi* (blue fly).
Baba: *Neeli makkhi*? Yes.

[5] The 'cubical' shrine at Mecca.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Second student: Baba said just now that blue flies sit on sweets. ... She wants to ask what does the blue fly indicate.
Baba: The blue fly is an indication of a poisonous fly. It is a poisonous fly.
Second student: She is asking in an unlimited sense.
Baba: Yes. There are poisonous ones here as well. There are poisonous ones among those who follow the knowledge. They follow the knowledge as well as practice adultery simultaneously.
Student: It will be considered of which time?
Baba: The poisonous fly is adulterous. Because of being adulterous it will bring ruination. It will spread diseases. The honey bee is good.

समयः 18.12-19.55
जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में तुलसी और पीपल को भी पूजते हैं। उसका भी तो कोई अर्थ होगा?
बाबाः हाँ। तुलसी को भी पूजते हैं इसलिए कि तुलसी दो तरह की होती है। एक तुलसी होती है हरित तुलसी और दूसरी तुलसी होती है काले पत्तों वाली। तो काले पत्तों वाली जंगल में पनपती है। कांटों के जंगल में। और जो हरित तुलसी होती है उसको घर में रखते हैं। आँगन में रखी जाती है। तो वास्तव में दो माताएं हैं। क्या? काला पार्ट बजाने वाली दो माताएं हैं - एक काली और एक महाकाली। जो महाकाली है वो तो काली तुलसी हो गई। और एक काली है। जो काली है वो इतनी काली नहीं बनती है। माना हरे पत्ते वाली होती है। उसको घरों में पूजा जाता है। पूजा जाता है। पूजनीय तो है। भगवान के साथ रहकरके उसने पवित्रता तो थोड़े समय तक धारण की। लेकिन उसको दरवाज़े के बाहर रखा जाता है। कमरे के अन्दर? कमरे के अन्दर नहीं लाते हैं। क्यों? घर परिवार में दरवाज़े के बाहर आंगन में कौन बैठता है? और अन्दर कौन बैठता है? अन्दर राजा-रानी बैठते हैं। और बाहर? दास-दासियाँ बैठते हैं। तो तुलसी से थोड़ी बेवफाई हो गई ज्ञान में चलते-चलते। इसलिए वो दासी का पद मिल गया।

Time: 18.12-19.55
Student: Baba, Tulsi and Peepal (the holy fig tree) are also worshipped in the path of *bhakti*. There must be some meaning in that too, mustn't there?
Baba: Yes. Tulsi is also worshipped because… Tulsi is of two kinds. One is green Tulsi and the other Tulsi has dark leaves. The one with dark leaves flourishes in jungle, in the jungle of thorns. And the green Tulsi is kept at home. It is kept in the courtyard (of the house). Actually there are two mothers. What? There are two mothers who play a dark role – One is Kaali and the other is Mahakaali. Mahakaali is the dark Tulsi and the other is [just] Kaali. Kaali does not become so dark. It means that it has green leaves. It is worshipped in homes. It is worshipped [that means] it is indeed worship worthy. It certainly imbibed purity for some time while staying with God. But it is kept outside the door. Is it kept inside the room? It is not brought inside the room. Why? Who sits in the courtyard outside the door in a household? And who sits inside? The king and the queen sit inside. And outside? The maids and servants sit [outside]. So, Tulsi showed some unfaithfulness (*bevafaai*) while following the path of knowledge. This is why she got the position of a maid (*daasi*).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 20.06-20.50

जिज्ञासुः इस तन से कभी शिव बाप बोलते हैं, कभी ब्रह्मा। कैसे पहचानेंगे कौन बोल रहा है?

बाबाः क्या?

जिज्ञासुः इस तन से कभी शिवबाबा बोलते हैं और...?

बाबाः लेकिन मुरली में क्या बोला? मुरली में तुमको डायरेक्शन क्या दिया? तुम क्या समझो? मुरली में तो डायरेक्शन दिया तुम सदैव यही समझो कि शिवबाबा बोलते हैं। क्या? इससे तुमको शिवबाबा ही याद रहेगा। तुम ऐसा क्यों समझते हो ये ब्रह्मा बाबा बोलते हैं, ये राम वाली आत्मा बोलती है? राम वाली आत्मा और कृष्ण वाली आत्मा तो 63 जन्म में बुद्धु बनके रहती है। अज्ञानी बन जाती है। किसको याद करना चाहिए? तुम हमेशा ये ही समझो कि हमको शिवबाबा मिल गया। राम-कृष्ण की आत्माएं हमें पढ़ाई पढ़ाने वाली नहीं हैं। हमको पढ़ाई पढ़ाने वाला कौन है? (जिज्ञासु - शिव बाप) राम-कृष्ण से भी जो ऊँच है।

Time: 20.06-20.50

Student: Sometimes the Father Shiva and sometimes Brahma speaks through this body. How will we recognize that who is speaking?

Baba: What?

Student: Sometimes Shivbaba speaks through this body and….

Baba: But, what was said in the murli? What *direction* is given to you in the murli? What should you think? The *direction* given in the murli is: always think that it is Shivbaba who speaks. What? This way you will remember only Shivbaba. Why do you think, this is Brahma Baba speaking and this is the soul of Ram speaking? The soul of Ram and the soul of Krishna have been unintelligent in the 63 births. They become ignorant. Whom should you remember? You always think that you have found Shivbaba. The souls of Ram and Krishna do not teach us knowledge. Who teaches us the knowledge? (Student: The Father Shiva.) The one who is greater than Ram and Krishna... (to be continued)

Extracts-Part-3

समयः 20.55-21.35

जिज्ञासुः बाबा, एक मुरली में बोला है ब्रह्मा, विष्णु, शंकर पहले जरूर ब्रह्मा की औलाद बने होंगे।

बाबाः जरूर। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर पहले जरूर ब्रह्मा की औलाद बने होंगे। बिल्कुल सही बात। अभी जो ब्रह्मा का पार्ट है। कौन है? जगदम्बा। है कि नहीं? विष्णु का पार्ट है (जिज्ञासु - वैष्णवी) वैष्णवी। शंकर का जो पार्ट है, राम वाली आत्मा। ये तीनों बेसिक नालेज में पढ़ाई पढ़ते रहे हैं कि नहीं? (जिज्ञासु - पढ़ते रहे हैं) तो ब्रह्मा की औलाद बने कि नहीं?

Time: 20.55-21.35

Student: Baba, it has been said in a murli that Brahma, Vishnu and Shankar will have definitely become Brahma's children first of all.

Baba: Definitely. Brahma, Vishnu and Shankar will have definitely become Brahma's children first of all. It is absolutely correct. Who is [playing] Brahma's role at present? Jagadamba. Is she [present] or is she not? Vishnu's role is… (Student: Vaishnavi). Vaishnavi.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Shankar's role is [played by] the soul of Ram. Did all the three of them kept studying the basic knowledge or not? (Student: They kept studying.) So, did they become Brahma's children or not?

समयः 21.40-25.30

जिज्ञासुः बाबा, जैसे अभी नेपाल एरिया है। यहाँ तो दिल्ली वगैरह का फोन लगता नहीं है। बाबा से कनेक्शन हो नहीं पाता।

बाबाः नेपाल में...।

जिज्ञासुः जितना नेपाल है ये। आई.एस.डी. फोन लग जाता है। और बाप से सारी बात माताएं कन्याएं करना चाहती हैं सलाह करके। वो फिर बाबा जब आते हैं तो जिस स्पीड से आते हैं, उसमें सब बोल नहीं पाती हैं माताएं कन्याएं।

बाबाः तो ईमेल तो चला है। ई-मेल तो...

Time: 21.40-25.30
Student: Baba, for example, this is the Nepal area. Here, we are unable to make a call to Delhi, and so on. We are unable to make a *connection* with Baba.
Baba: In Nepal…
Student: This entire area of Nepal…, we have to make ISD (International Subscribers Dialing) phone call [to speak in India]. And all the mothers and virgins want to talk to the Father and seek advice. When Baba comes, the speed at which he comes [and goes] all the mothers and virgins are unable to talk [to Baba].
Baba: The *email* is in use, isn't it? *Email* can...

जिज्ञासुः ई-मेल भी तो, माता-कन्याएं तो इतना फ्री नहीं हैं। ये बंधन में हैं मोस्ट्ली करके।

बाबाः क्या बंधन है? ईमेल में तो उतना पैसा भी खर्च नहीं होता।

जिज्ञासुः बंधन में तो हैं ना यहाँ पर।

बाबाः तो क्या हुआ? मार्केट नहीं जाती हैं क्या? माताएं मार्केट नहीं जाती हैं?

जिज्ञासुः मार्केट में तो जाती हैं।

बाबाः तो मार्केट में ही दुकान भी होती है कंप्यूटर की।

दूसरा जिज्ञासुः चलाना नहीं आता।

बाबाः चलाने की जरूरत नहीं। लिख करके ले जाएं और उसे दे दें वो (दुकानदार) छाप करके भेज देगा।

जिज्ञासुः वो तो अज्ञानी आत्मा है। उसको पढ़के लिखेगी फिर तो। जो अज्ञानी आत्माएं हैं बाहर की तो वो बाबा के सामने जो लिखेंगे वो तो अज्ञानी आत्माएं पढ़ लेंगी सारा।

बाबाः माना पोतामेल की बात कर रहे?

Student: As regards email also, mothers and virgins are not so free. Mostly they are in bondage.
Baba: What is the bondage? Sending *email* does not involve much expenditure either.
Student: But they are in bondage here, aren't they?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: So, what? Don't they go to the *market*? Don't the mothers go to the *market*?
Student: They do go to the market.
Baba: So, there is computer shop (cyber café) also in the *market*.
Second student: They do not know how to operate [computers].
Baba: There is no need to operate. Write it on a paper and take it. Give it to him. He (the shopkeeper) will type it and send it.
Student: He is an ignorant soul. He will read it and type it. The outsiders, the ignorant souls will read whatever we wish to write in front of Baba.
Baba: Are you talking about *potamail*[6]?

जिज्ञासुः जो अपने मन की कोई भी बात पूछना चाहती है, कोई सलाह लेना चाहती हैं तो निमित्त रूप में तो यहाँ भाई हैं मोस्ट्ली करके मैसेज दे देता है, या कोर्स कराने या भट्ठी के लिए ले जाने के निमित्त।
बाबाः हाँ, हाँ। तो जल्दी-जल्दी सर्विस करो। जल्दी-जल्दी पार्टियाँ जाएं। उनके द्वारा भेज दो। क्यों नहीं सर्विस करते? क्यों घर में बैठे रहते? बाबा ने मना कर दिया है क्या सर्विस मत करो?

Student: Anything that is in their heart which they want to ask or wish to take advice, so here, *mostly* brothers are instrument who give message or give course or take them to *bhatti.*
Baba: Yes, yes. So, do *service* quickly. If the parties go in quick succession, send [letters] with them. Why don't you do *service*? Why do you sit at home? Has Baba forbidden you from doing *service*?

तीसरा जिज्ञासुः हिसाब-किताब है ना बाबा।
बाबाः इतनी ढ़ेर सारी ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ दुनिया में फैले हुए हैं। इतनी ढ़ेर सारी बाहरी दुनिया में पब्लिक फैली हुई है। किसी की भी सेवा करो। सेवा करके उनको तैयार कर दो। पार्टी तैयार हो जाए, नेपाल से पार्टियाँ जाती रहेगी तो साथ-साथ चिट्ठियाँ भी जाती रहेंगी।
जिज्ञासुः नहीं, चिट्ठियाँ तो जाती हैं। मान लो कोई सलाह लेनी है, अभी तुरंत सलाह लेनी है, निमित्त भाई से लेती है ना।
बाबाः क्या लेनी है?
जिज्ञासु: कोई भी सलाह लेनी है...
बाबा: मुरली में बोला है हर समस्या का समाधान मुरली से मिल सकता है। ज्यादा अज्ञान मत फैलाओ।
जिज्ञासुः तो भाईयों से सलाह लेती है ना तो ।
बाबाः क्यों लेती हैं जब मुरली से सलाह मिलती है हर चीज़ की? रोज की मुरली को ध्यान से नहीं पढ़ते हैं, ध्यान से अपने जीवन में टैली नहीं करते हैं तो कोई समस्या का समाधान नहीं मिल पाता।

[6] One's life story containing weaknesses and sins of the past given to the Father

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Third Student: Baba, there are karmic accounts, aren't there?
Baba: There are so many Brahmakumar-kumaris spread all over the world. There is so much expansion of *public* in the outside world. You can serve (tell the knowledge to) anyone. Serve them and prepare them [for *bhatti*]. When the parties become ready; if parties keep going from Nepal [to India], then the letters will also go along with them.
Student: No. Letters are certainly sent. Suppose they wish to seek advice, they wish to seek advice just now; they seek it from the brothers who are instrument.
Baba: What do they wish to seek?
Student: If they want to take any advice…
Baba: It has been said in the murli that the solution for every problem can be obtained from murli. Do not spread more ignorance.
Student: [But] they seek advice from the brothers.
Baba: Why do they seek [advice from them] when advice on everything is received through murli? If you do not read the daily murli carefully, you don't *tally* (compare) it carefully with your life, then you are unable to get the solution to any problem.

जिज्ञासुः सारी बातें हैं मगर निमित्त भाई है, कोर्स करा दिया, मैसेज दे दिया, भट्ठी कर ली। ठीक हो गया।
बाबाः यहाँ (एडवांस पार्टी में) निमित्त भाई है ही नहीं। ये ब्रह्माकुमारियों की तरफ से बनाए जाते हैं। बाबा की तरफ से नहीं बनाए जाते।
जिज्ञासुः तो सारी बातें उनको बताती हैं। उनसे पूछती हैं।
बाबाः क्यों बताती हैं जब मुरली में बाबा ने...?
जिज्ञासु: हो रहा है ना, हो तो रहा है ना सभी जगह।
बाबा: मुरली में तो बाबा ने मना कर दिया है कि भाईयों को निमित्त नहीं बनाना है। बाबा ने तो गीता पाठशाला की इन्चार्ज किसको बनाया?
जिज्ञासुः ये तो बाप से साफ-2 बोले ना। बाप से बोलना चाहिए बाप साकार में है तो।
बाबाः क्या?
जिज्ञासुः कोई भी बात पूछनी है, राय लेनी है...।
बाबाः अमृतवेले बैठते हैं याद में?
जिज्ञासुः ये तो।
बाबाः ये तो। ये तो क्या होता है, अमृतवेले याद में बैठो। बाबा ने कहा अव्यक्त हो जाओ। अव्यक्त होकरके बाबा से डायरेक्ट बात करो। डायरेक्ट बात का जवाब मिलेगा। जवाब सही भी होता है जो याद में बैठ करके जवाब लिया जाता है। लेकिन याद में बैठते ही नहीं। अमृतवेले ही सारा डब्बा गोल हुआ पड़ा है।

Student: Everything is definitely there [in the murli] but there are brothers who are instrument; they give the course, the message, do the *bhatti*. [So, everyone thinks], all is fine.
Baba: Here [in the advance party] no brother is instrument at all. They are appointed by Brahmakumaris. They are not appointed by Baba.
Student: So, they tell them everything. They ask them.
Baba: So, why do they tell them when Baba has said in the murli…?

Student: It is happening like that. It is happening like that everywhere.
Baba: Baba has prohibited in the murlis that brothers should not be made instrument? Whom has Baba make *in charge* of the *Gitapathshalas*[7]?
Student: They should tell Baba clearly. When the Father is present in corporeal form they should tell Him.
Baba: What?
Student: If they wish to ask anything or seek advice...
Baba: Do you sit in remembrance at *amritvela*[8]*?*
Student: Now regarding this...
Baba: Now regarding this ... What does 'regarding this' mean? Sit in remembrance at *amritvela*. Baba has said to become *avyakt* (subtle). Become *avyakt* and talk to Baba directly. You will get the reply directly. The reply that is taken while sitting in remembrance is correct too. But you don't sit in remembrance at all. The *amritvela* itself is completely ruined.

जिज्ञासु: और पार्टियां ले जाने के लिए मान लो मोस्टली करके भी नेपाल में ये ही हो रहा है। पार्टियाँ भी जो भी ले जाते हैं तो एक ही भाई पश्चिम में जाएगा, एक ही भाई पूरब में जाएगा। एक ही भाई बीच में जाएगा। एक ही भाई, तो वो...
बाबा: तो माताएं नहीं जाती भाईयों के साथ?
जिज्ञासु: हाँ जी?
बाबा: भाई के साथ माताएं भी तो जातीं हैं?
जिज्ञासु: वो एक भाई जब तक नहीं आएगा तब तक पार्टी नहीं जाती है।
बाबा: हाँ तो माताएं भी तो जाती हैं भाई के साथ। भाई के साथ माताएं जाती हैं कि नहीं?
जिज्ञासु: और भी तो हैं ना वहाँ पर। और भी लोकल में भाई बहन भी तो हैं ना। वो पार्टी ले जा सकते हैं।
बाबा: नहीं। भाई भले ज्ञान भी सुनाए लेकिन माता को बीच में रखे। भाई भाई को ज्ञान सुनाए, उसमें तो कोई आपत्ति ही नहीं। लेकिन भाई अगर माता को ज्ञान सुनाता है कम उमर की माता है, वो कोई कन्या है तो बीच में माता को रख दे। ऐसी बात तो नहीं कि भाई ज्ञान सुना ही नहीं सकता।

Student: And as regards taking parties, mostly this very thing is happening in Nepal. Whoever takes the parties [for *bhatti*], the same brother goes in the west, the same brother goes in the east; the same brother will go in the center. The same brother...
Baba: So, don't the mothers go along with the brother?
Student: What?
Baba: The mothers also go along with the brother, don't they?
Student: Until that particular brother comes, the *party* does not go.
Baba: Yes, so, the mothers also go along with the brother, don't they? Do mothers go along with the brother or not?
Student: There are others also over there, aren't there? There are other brothers and sisters of the *local* area over there, aren't there? They can take the *party*.

---
[7] Schools of Gita
[8] Early morning hours of nectar

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: No. The brothers may narrate knowledge but they should keep a mother along with them. If a brother narrates knowledge to another brother, there is no objection to that at all. But if the brother narrates knowledge to a mother; if the mother is young, if she is a virgin, then he should keep a mother along with him. It is not that brother cannot narrate knowledge at all... (to be continued)

Extracts-Part-4

समयः 28.00-31.45

जिज्ञासुः कोई मात-पिता की इकलौती बेटी होती है ना बाबा। उसको माता-पिता भी पढ़ाते लिखाते हैं। फिर बाद में वो लड़की को जिम्मेवारी संभालना पड़ता है मात-पिता का। फिर नौकरी करने के लिए मना क्यों है बाबा?

बाबाः कन्या को तो नौकरी करनी नहीं। कन्या माँ-बाप की परवरिश करेगी?

जिज्ञासुः इकलौती होती है ना।

बाबाः इकलौती होती है सो क्या हुआ? इकलौती होती है, कन्या दूसरे घर की होती है, पराये घर की। कन्या को घर में डाल के रखेंगे वो पतित नहीं बन पड़गी? वेश्या बन जाएगी। ये गलत बात है। ये तो गंदा धंधा हो गया। कोई भी कन्या को घर में डाल करके माँ-बाप नहीं रखते।

दूसरा जिज्ञासुः वो कहना चाह रही है कि माँ-बाप बहुत लाचार हैं। बेटा नहीं है।

बाबाः क्या लाचार हैं?

दूसरा जिज्ञासुः वो काम ही नहीं कर सकते। रोटी खाने को भी नहीं है।

Time: 28.00-31.45

Student: Baba, suppose a daughter is the only child of her parents. The parents educate her. Later that girl has to take the responsibility of the parents. Then Baba, why is she prohibited to do job?

Baba: A virgin should never do job. Will a virgin sustain her parents?

Student: She is the only child.

Baba: She is the only child? So, what? If she is the only child, a virgin belongs to another home, another family. If the virgin is kept at home, will she not become degraded? She will become a prostitute. This is wrong. This is a bad business. No virgin is kept at home by the parents.

Second student: She wants to say that the parents are very helpless (*laachaar*). They do not have a son.

Baba: How are they helpless?

Second student: They cannot work at all. They do not even have *rotis* (bread) to eat.

बाबाः ये पूर्व जन्मों का किसका हिसाब-किताब है?

दूसरा जिज्ञासुः ये माँ-बाप का है।

बाबाः बच्ची का है?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः फिर बच्ची के सर के ऊपर क्यों डालना?

दूसरा जिज्ञासुः तो बच्ची उनको पैदा हुई है।

बाबाः पैदा होने का मतलब ये हुआ कि उसके ऊपर चढ़ बैठो? ये कोई बात नहीं होती है।

दूसरा जिज्ञासुः नौकरी नहीं करनी है?

बाबाः न। कन्या को नौकरी नहीं करनी है। कन्या नौकरी करेगी तो वेश्या बनेगी। दुनिया नहीं छोड़ेगी उसे। और इसका पाप किसके ऊपर चढ़ेगा?

दूसरा जिज्ञासुः माँ-बाप पर।

बाबाः माँ-बाप के ऊपर चढ़ेगा। पहले पूर्वजन्म में पाप करके तो आए ही हैं जो निपूते हुए। और फिर और दूसरा पाप कर दो। विदेशों में ऐसा होता है कि कन्या को महारानी बनाके बैठा देंगे पढ़ा-लिखा के। विदेशों की तो बात ही दूसरी है। वहाँ तो वेश्यालय ही चलता है। धड़ाधड़ डायवोर्स दो और धड़ाधड़ दूसरी शादियाँ करो। वेश्या के ऊपर वेश्या बनाते चले जाओ।

Baba: Whose karmic account of the past births is this?
Second student: It is of the parents.
Baba: Is it of the daughter?
Second student: No.
Baba: Then why do you put it (the responsibility) on the head of the daughter?
Second student: The daughter has born to them.
Baba: If she is born [to them] does it mean that they should sit on her head (force the responsibility on her)? This is not proper.
Second student: She should not do a job?
Baba: No. A virgin should not do a job. If a virgin does a job, she will become a prostitute. The world will not spare her. And who will accumulate that sin?
Second student: The parents.
Baba: The parents will accumulate [its sin]. They have already committed sins in the previous births because of which they did not give birth to a son. And then they perform another sin [by asking the daughter to do jobs]. It happens in the foreign countries that the daughter is made a queen by being educated. The topic of foreign countries is totally different. Prostitution is practiced there. They give *divorce* quickly and get married quickly. They go on making prostitutes.

दूसरा जिज्ञासुः तो कुछ माताएं ऐसे दुकान के लिए पूछते हैं, मजबूरी है।

बाबाः दुकान पे बैठा देंगे? अरे दुकान पे बैठा दो चाहे नौकरी करा दो, बात तो एक ही है। जात-जात के लोगों की नज़र पड़ेगी उसके ऊपर। वो तो कोमल कन्या है। (जिज्ञासु : माता को भी दुकान में रखना नहीं चाहिए।) माता की बात अलग है। माता मेच्योर्ड हो चुकी है, बैठ सकती है। घर में कोई कमाने वाला नहीं है तो माता बच्चों की परवरिश करेगी ही। कोई-कोई पति ऐसे होते हैं काम ही नहीं करते कुछ भी। कोई काम नहीं करेंगे सुबह से शाम तक। घर में बैठे, निठल्ले बैठे रहेंगे। शराब पीते रहेंगे और खींच-खींच के खाते रहेंगे। अब माता बिचारी क्या करे? उसे तो बच्चों को पालना ही है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Second student: Some mothers ask whether the daughters can be made to sit in the shop if there is helplessness.
Baba: Will you make her sit in a shop? *Arey*, whether you make her sit at the shop or whether you ask her to do a job, it is one and the same. People of different categories will look at her. She is a delicate virgin. (A student: Mother should not be made to sit at shop either.) The topic of a mother [sitting at the shop] is different. If the mother has become *mature* she can sit. If there is no one earning at home the mother will definitely sustain the children. There are some husbands who don't do any job. They don't any work from morning till the evening. They sit idly at home. They keep drinking [alcohol] and eat by seizing forcibly. What can the poor mother do? She has to sustain the children in any way.

दूसरा जिज्ञासुः कुमार है कोई 12 साल का, कोई 13 साल का और उनका यहाँ कोई नहीं है मान लो। और वो चाहते हैं बाबा के पास बाबा तो भाईयों को सरेण्डर करते नहीं हैं। तो वो कुमार कहाँ जाएगा?
बाबाः कही नौकरी करने दो। कही दुकान पे नौकरी कर ले।
दूसरा जिज्ञासुः यहाँ कोई नहीं है। रहना ही नहीं चाहते बाहर की दुनिया में।

Second student: If there is a 12 years old, 13 years old *kumar* (bachelor) and suppose he does not have any relative here. And if he wishes to go to Baba, but Baba does not allow brothers to surrender. So, where will that *kumar* go?
Baba: Let him do some job at some place. He can work at a shop somewhere.
Second student: He does not have any relative here. He does not wish to live in the outside world at all.

बाबाः नहीं रहना चाहते तो सबको बाबा थोड़े ही रखेंगे। काम का होगा कुमार तो रखेंगे। और वहाँ जाके सांडगिरी करने लगा तो कैसे रखेंगे? अरे कन्याओं की परवरिश करने के लिए रखा हुआ है आश्रम, न कि कुमारों के लिए रखा है। कुमार चौराहे पर पड़ा रहे, कहीं भी सेवा करता रहे किसी दुकान पे। अपनी रोटी दाल कमाता रहेगा। कन्या रहेगी चौराहे पर? कन्याओं के लिए तो शरण चाहिए। और शरण दुनिया में कोई देता नहीं है। गउशाला गाई हुई है। बैलशाला नहीं गाई हुई है। हाँ, कोई सचरित्र अच्छा कुमार हो तो...
दूसरा जिज्ञासुः एक बार सेवा के लिए तो जा सकते हैं ना। कम्पिल में सेवा में जाएंगे, बाबा देखेंगे, फिर अपनेआप ही उनको रख लेंगे।
बाबाः हाँ,जी। हाँ, जी।

Baba: If he does not wish to stay [in the outside world], then Baba will not keep everyone. If the *kumar* is useful, then he will be kept. And if he goes there [to the *minimadhuban*] and shows the bull instinct, then how can he be kept there? *Arey*, the ashram is meant to take care of the virgins or is it meant for the *kumars*? *Kumar* may lie on the crossroads; he can serve at any shop. He will keep earning bread for him. Can a virgin live on the crossroads? Virgins definitely require asylum. And nobody gives asylum in the world. *Gaushaala* (cowshed) is famous. *Bailshaala* (bull shed) is not famous. Yes, if there is a *kumar* with a good character (*sacharitra*)...

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Second student: He can go once for service, can't he? If he goes to Kampil for service; Baba will observe and he himself will keep him.
Baba: Yes. Yes.

समयः 32.50-34.50
जिज्ञासुः बाबा, कृष्ण के सर में जो मोर का पंख दिखाते हैं वो क्यों दिखाते हैं?
बाबाः श्री कृष्ण ने जैसी पवित्रता धारण की होगी ऐसी पवित्रता धारण करने का पुरुषार्थ और किसी ने नहीं किया। क्या? इसलिए पवित्रता की निशानी मोर दिखाते हैं क्योंकि मोर पवित्र पक्षी है। व्यभिचार में जाने की तो बात दूर, वो तो विकार में भी नहीं जाता। क्या? (जिज्ञासु: शास्त्रों में लिखा होता है ना बाबा 16000 गोपी उनको होता है) 16000 गोपियों का मतलब ये थोड़े ही है को वो पतित बनता था। उसकी शक्ति क्षीण होती थी क्या? जब शक्ति क्षीण नहीं होती तो पतित किस बात का? शिवबाबा को पतित कहेंगे? (जिज्ञासु - नहीं कहेंगे) फिर?
दूसरा जिज्ञासुः शास्त्रों में लिखा है ना।
बाबाः शास्त्रों में लिखा है तो मन्दिरों में रोज जाके देखते भी तो हो वो शिवलिंग कहाँ बैठा हुआ है? देखते हो? तो पतित है कि पावन है? (जिज्ञासु - पावन है) माथा क्यों टिकाते हो? क्योंकि वहाँ होते हुए भी वो इन्द्रियों से पतित नहीं है। शक्ति क्षीण नहीं होती है। अमोघवीर्य कहा जाता है। इतनी सी बात लोगों को समझ में नहीं आती है। तो फिर विरोध करते हैं।

Time: 32.50-34.50
Student: Baba, the peacock feather that is shown on the head of Krishna; why is it shown?
Baba: Nobody made *purusharth* of assimilating purity like Krishna did. What? This is why the sign of purity is shown in the form of peacock [feather] because peacock is a pure bird. The question of indulging in adultery is a far-off thing; it does not even indulge in lust. What? (Student said: it is written in the scriptures that he has 16000 *gopis.*[9]) 16000 *gopis* does not mean that he used to become sinful? Did he used to lose his vigour? When he did not lose vigour at all, how can he be sinful? Will Shivbaba be called sinful? (Student: He will not.) Then?
Second student: It has been written in the scriptures, isn't it?
Baba: It has been written in the scriptures; then you also go daily and see in the temples where that *Shivling* is placed? Do you see? So, is he sinful or is he pure? (Student: Pure.) Why do you bow your head? It is because despite being there, He is not sinful through the parts of the body. The vigour does not decrease. He is called *Amoghveerya* (the one whose vigour does not drain downwards). People don't understand this simple thing therefore, they oppose... (to be continued)

Extracts-Part-5

समयः 34.40-38.35
जिज्ञासुः दुनिया में कोई वध का काम करते हैं।
बाबाः हत्या कर देते हैं। दुनिया में हत्या कर देते हैं।

[9] Herd girls

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः उसको सज़ा मिलेगा कि नहीं बाबा?

बाबाः क्यों नहीं मिलेगा?

जिज्ञासुः इस जन्म में तो वो लोग कहते हैं कि हमारा पेशा है।

दूसरा जिज्ञासुः हमारा धंधा है ये।

बाबाः हाँ, हाँ। राजाओं के जमाने में राजा आर्डर करता था इसको फांसी दे दी जाए। और उसको फाँसी देने का काम राजा तो नहीं करता था। जो वध करने वाले चाण्डाल होते हैं वो चाण्डाल का धंधा था वध करना। तो वो फाँसी लगाता था। उसका धंधा है। वो थोड़ेही फाँसी लगाता है। जो फाँसी लगाने का आर्डर दे रहा है...

जिज्ञासुः वो लगाने का दोष है या?

बाबाः उसका कोई दोष-वोष (नहीं)। उसका तो धंधा है।

Time: 34.40-38.35
Student: Someone kills (*vadh*) people in the world.
Baba: People kill (*hatya*) someone. People are killed in the world.
Student: Baba, will they get punishment or not?
Baba: Why will they not get punishment?
Student: They say: this is our job (*pesha*) in this birth.
Second student: This is our occupation (*dhandha*).
Baba: Yes, yes. During the age of the kings, a king used to give *order* that this person should be hanged to death. And the king did not perform the task of hanging him to death. The *chandaal*[10] who performed the task of killing; it was his occupation to kill. So, he used to hang [people to death]. That was his occupation. He did not hang anyone [willingly]. [It is the guilt of] the one who is giving the *order* to hang someone to death.
Student: Is the one who is hanging him to death guilty or...
Baba: He is not guilty. It is his occupation.

दूसरा जिज्ञासुः नहीं बाबा, वो जो कह रहा है लगाने के लिए वो उसका कर्म देख के बोल रहा है, वो बाजार में किसी को मार रहा है, किसी की हत्या की है। कोर्ट ने क्लीयर कर दिया कि इसको फाँसी दिला दो। तो फिर उसको आर्डर देने वाले को कैसे लगेगा दोष फिर?

बाबाः जो फाँसी देने का आर्डर दिया है वो तो कोर्ट ने दिया।

दूसरा जिज्ञासुः तो उसको लगेगा ना दोष।

बाबाः नहीं। कोर्ट को नहीं लगा।

दूसरा जिज्ञासुः नहीं, जो कह रहा है कि इसको फाँसी दे दो।

बाबाः जो कह रहा है तो उसको दोष क्यों लगेगा? उसने जो पाप कर्म किया है उस पाप कर्म की सज़ा दी गई।

दूसरा जिज्ञासुः तो उसको भी तो लगेगा ना।

बाबाः नहीं। न कोर्ट को फाँसी की सज़ा है न जो वध करने वाला है उसको कोई सज़ा मिलेगी।

---

[10] those who cremate the corpses

दूसरा जिज्ञासुः जो कर्म किया उसी को लगेगी।

Second student: No Baba, the one who is giving the order is giving it by seeing his deeds; that one (who is given sentence) was beating someone in the market; he killed someone. So, the court made it clear that this person should be hanged to death. So, how will the one who gives order be guilty?
Baba: The *order* to hang someone to death has been issued by the *court*.
Second student: So, it will not be held guilty, will it?
Baba: No. The *court* will not be guilty.
Second student: No, the one who is saying that this person should be hanged to death.
Baba: Why will the one who is saying it be held guilty? He was punished for the sin that he committed.
Second student: So, he will not be held guilty either, will he?
Baba: No. Neither the *court* is guilty for [giving the punishment of] hanging him to death, nor is the one who executes him will be punished.
Second student: The one who has performed that deed (sin) will be guilty.

बाबाः कर्म किसने किया? कर्म तो उसी ने किया। गलत काम क्यों किया? गलत काम किया तो कोर्ट ने सज़ा सुना दी। हत्या कर दो इसकी। और जो हत्या करने वाला चाण्डाल है, उसको तो पैसा मिलता है, रोटी दाल मिलती है इसी बात की।
तीसरा जिज्ञासुः बाबा ऐसा शरीर छोड़ता है वध करने के बाद। जैसे वो फाँसी देने के बाद आत्मा निकल जाती है तो उनको जल्दी पुनर्जन्म मिलता है या वो क्या प्रेत बनके घूमती है?
बाबाः हत्या तो अकाले मौत हो गई। हत्या जो हुई वो तो अकाले मौत हो गई। उसकी थी थोड़ेही? जिसकी अकाले मौत होती है उसको सूक्ष्म शरीर धारण करना पड़ता है।
जिज्ञासुः जबरदस्ती किसी ने हत्या किया है उसका इच्छा नहीं था ना बाबा। उसका आत्महत्या करने का इच्छा तो नहीं था ना ।
बाबाः आत्म हत्या? अपने आप हत्या कर दी अपनी?
जिज्ञासुः नहीं, दूसरे ने हत्या किया है।
बाबाः उसे आत्महत्या थोड़ेही कहा जाता है। जो अपने आप अपनी हत्या कर ले उसको (आत्म)हत्या कहा जाता है। और दूसरे ने कोई ने हत्या कर दी उसको आत्महत्या नहीं कहा जाता है।
जिज्ञासुः फिर वो आत्मा तड़पने का क्यों?
बाबाः ये कहना क्या चाहते हैं?

Baba: Who performed that deed? The deed was performed by him (who was hanged to death). Why did he perform a wrong deed? He performed a wrong deed so the *court* announced the punishment to kill him. And as regards the *chandaal* who kills, he gets money, food for that very task.
Third student: Baba, it [the soul] leaves the body after being killed. When the soul departs after being hanged to death, does it take rebirth again quickly or does it wander as a spirit (*prêt*)?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Killing is an untimely death (*akaale maut*). The killing that took place was an untimely death. It was not destined. The one who meets an untimely death has to take on a subtle body.
Student: Suppose someone forcibly killed (*hatya*) someone. Baba, he did not wish to kill himself, did he? He did not want to commit suicide (*aatmahatya*), did he?
Baba: *Aatmahatya* (suicide)? Did he kill himself voluntarily?
Student: No, someone else killed him.
Baba: That is not called suicide. The one who kills himself is called suicide. And if someone else killed him, it is not called suicide.
Student: Then why does that soul suffer?
Baba: What does she wish to say?

दूसरा जिज्ञासुः मतलब कि जो मरना नहीं चाहता, किसी और ने मार दिया, तो वो तड़प क्यों रहा है?

तीसरा जिज्ञासुः ईविल सोल के रूप में भटकती क्यों है? उसको जल्दी पुनर्जन्म मिलना चाहिए ना।

बाबाः जिसने और ने मारा है पूर्व जन्म का हिसाब-किताब है ना तभी तो मारा। पूर्व जन्म का कोई हिसाब-किताब है कि उसने उसको हत्या कर दी। ऐसे थोड़ेही कोई किसी को मार देगा। या इस जन्म का हिसाब-किताब है। इसलिए मारा।

तीसरा जिज्ञासुः तो उसका पुनर्जन्म कब तक नहीं होगा?

बाबाः ये कोई निश्चित नहीं होता है। किसी को जल्दी मिल जाता है किसी को देर में मिलता है। वो भी पूर्व जन्मों के हिसाब-किताब के अनुसार। लेकिन ये हत्या करना, अपनी आत्महत्या करना, ये सब गंदे काम हैं। ये अच्छी आत्माओं के काम नहीं हैं। जो अच्छी आत्माएं होती हैं, न किसी की हत्या करती हैं, और न खुद अपनी हत्या करती हैं।

Second student: She means to say that if someone does not want to die, [but] someone else has killed him; then why is he suffering?
Third student: Why does it (the one who is killed) wander in the form of an evil soul? He should be reborn again, shouldn't he?
Baba: The other person, who killed him, he killed him only because there is the karmic account of the previous births. There is some karmic account of the previous birth because of which he killed him. Nobody will kill someone without any reason. Or else there must be some karmic account of this birth. That is why he was killed.
Third student: So, until when will he not take rebirth?
Baba: This is not fixed. Someone has birth quickly and someone has it late. That is also in accordance with the karmic account of the previous births. But this killing, committing suicide, all these are dirty tasks. These are not the deeds of good souls. Good souls neither kill anyone nor do they kill themselves.

समयः 38.40-43.21

जिज्ञासुः बाबा, वेदान्ती कब और कैसे आएगी?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वेदान्ती से ही क्यों लेना-देना? और ढ़ेर सारी ब्रहमाकुमारियाँ हैं, उनका नाम क्यों नहीं लिया? आपने वेदान्ती का नाम क्यों ले लिया, दूसरी ब्रहमाकुमारियों का नाम क्यों नहीं ले रहे हो?

जिज्ञासुः दूसरे नाम जानते नहीं हैं।

बाबाः और दूसरी ब्रहमाकुमारियों को जानते ही नहीं? शालू को देखो, शालू सामने बैठी है। आप जानते हैं। झूठ बोलते है।

दूसरा जिज्ञासुः वो बात तो अलग है।

बाबाः क्या अलग है? अरे वेदान्ती का नाम कहाँ से आ गया? सो तो बताओ। किसने बताया?

तीसरा जिज्ञासुः ये सभी ने बताया है बाबा। दो, चार साले आगे से...

बाबाः जिन्होंने बताया उनसे जाके पूछो - ये तुमने नाम कहाँ से निकाला? बाबा ने तो बोला नहीं है किसी कैसट में, किसी वीसीडी में, किसी मुरली में, या बाबा ने किसी वार्तालाप में बोला हो तो बताओ।

चौथा जिज्ञासुः बाबा, ने नाम नहीं लिया किसी का।

जिज्ञासुः लक्ष्मी बोलना चाहिए।

बाबाः हाँ, ये बोलो। ये सही बात बोली।

जिज्ञासु: मिस्टेक हो गया बाबा।

Time: 38.40-43.21
Student: Baba, when and how will Vedanti come?
Baba: Why are you concerned only with Vedanti? There are many more Brahmakumaris; why didn't you take their names? Why did you take the name of Vedanti [alone]? Why aren't you taking the name of other Brahmakumaris?
Student: I don't know other names.
Baba: Don't you know other Brahmakumaris at all? Look at Shalu (a PBK sister), she is sitting in the front. You know her. You are telling a lie.
Second student: That is a different topic.
Baba: How is it different? *Arey*, where did the name of Vedanti come from? Tell me that. Who gave you [that name]?
Third student: Baba, everyone has said this, since two, four years…
Baba: Ask those who gave you [that name] – where did you get this name from? Baba did not say it in any *cassette*, in any *VCD*, in any murli, or if Baba has said in any discussion, tell me.
Fourth student: Baba did not take anybody's name.
Student: We should say 'Lakshmi'.
Baba: Yes, say this [name]. You have said this correctly.
Student: Baba, I made a mistake.

जिज्ञासुः लक्ष्मी कब और कैसे आएगी?

बाबाः आवाहन करोगे तो आएगी। बड़ा आदमी होता है तो उसको बुलाने पे आता है कि बिना बुलाए आता है? बुलाने पे आता है। उनका बाप, लक्ष्मी का बाप कौन है? तो ब्रहमा बाबा बाप

है ना। ब्रह्मा बाबा गुल्ज़ार दादी में बुलाने से आते हैं (या) बिना बुलाए आते हैं? (जिज्ञासु - बुलाने से) उनका बाप भी बुलाने से आता है तो लक्ष्मी बिना बुलाए आ जाएगी क्या? तो आप आवाहन करो।

पांचवां जिज्ञासुः फिर बाबा, लक्ष्मी का आवाहन करने के लिए तो घर की सफाई करनी पड़ती है।

बाबाः हाँ, तो करो ना। महाकाली बनो। सफाई करो। तुम्हारा काम है तो तुम सफाई करो। महाकाली के संग झाड़ू उठाओ हाथ में। महाकाली दोनों हाथों में लेकरके झाड़ू खड़ी हुई है। सफाई करने के लिए तैयार है।

चौथा जिज्ञासुः कोई सफाई के निमित्त है, कोई स्थापना के निमित्त हैं इन्हीं बच्चों मे से ही।

बाबाः विनाश के निमित्त बनोगे?

पांचवां जिज्ञासुः हाँ, बनेंगे बाबा।

Student: When and how will Lakshmi come?
Baba: She will come if you invoke her. Does a big person (having big status) come on being invited or does he come without invitation? He comes on being invited. Her father; who is Lakshmi's father? So, Brahma Baba is her father, isn't he? Does Brahma Baba come in Dadi Gulzar on being invited (or) does he come without invitation? (Student: On being invited.) Even her father comes on being invited, so will Lakshmi come without being invited? Hence, you invoke her.
Fifth student: Baba, the house has to be cleaned in order to invoke Lakshmi.
Baba: Yes, so do it, won't you? Become Mahakali (goddess of great death) and do the cleaning. If it is your task, then do the cleaning. Hold the broom in your hand along with Mahakali. Mahakali is standing with broom in both hands. She is ready to clean.
Fourth student: Someone is instrument for cleaning and someone is instrument for establishment among these children.
Baba: Will you become instrument for destruction?
Fifth student: Yes Baba, I will become.

बाबाः कीड़े-मकोड़े साफ करेगा। कीड़े-मकोड़े टट्टी पेशाब सब साफ करेगा। गंदा काम करना अच्छा या अच्छा काम करना अच्छा? सूर्यवंशी बनना है या भटकवंशी बनना है?(सबने कहा - सूर्यवंशी)

पांचवां जिज्ञासुः बाबा ... जरूरी है ना सफाई करना।

बाबाः हाँ, है तो जरूरी। लेकिन घर की सफाई जो है वो दास-दासी करते हैं या महाराजा-महारानी करते हैं? (सबने कहा: दास दासी।) दास-दासी करते हैं।

पांचवां जिज्ञासुः जगदम्बा के हाथ में झाड़ू दिया है तो दासी है जगदम्बा?

बाबाः प्रकृति के हाथ में अगर दास-दासी है तो... प्रकृति दासी नहीं होती है? देवताओं की दासी कौन होती है? (जिज्ञासु - प्रकृति) प्रकृति दासी होती है। प्रकृति जड़बुद्धि होती है या चैतन्य बुद्धि होती है? (जिज्ञासु - जड़) जगदम्बा बाप को पूरा पहचानती है या अधूरा पहचानती है? (जिज्ञासु - अधूरा) इन्हें बोलने दो ना। बोलो। अरे जगदम्बा बाप को पूरा

पहचानती है या अधूरा पहचानती है? जड़ बुद्धि है या चैतन्य बुद्धि है? (जिज्ञासु - चैतन्य बुद्धि है) चैतन्य बुद्धि? पूरा पहचानती है?
पांचवां जिज्ञासुः पहचानके फिर छोड़ देती है।
बाबाः छोड़ देती है तो पहचाना कहाँ से? पूरा पहचानने वाला क्यों छोड़ेगा?

Baba: [Indicating towards the fifth student:] He will clean the insects and spiders. He will clean the insects and spiders, excrement and urine and everything? Is it good to perform a bad deed or is it good to perform a good deed? Do you wish to become *Suryavanshi*[11] or a *bhatakvanshi*[12] ? (Everyone said: *Suryavanshi.*)
Fifth Student: Baba …it is necessary to do the cleaning, isn't it?
Baba: Yes, it is indeed necessary, but do servants and maids clean the house or do the king and queen clean it? (Everyone said: servants.) The servants and maids clean it.
Fifth student: A broom is shown in the hands of Jagdamba so is Jagdamba a maid?
Baba: In the hands of nature (*prakriti*); is nature not a maid? Who is the maid of deities? (Student: Nature.) Nature is the maid. Does nature have an inert intellect or does she have a conscious intellect? (Student: Inert.) Does Jagdamba recognize the Father completely or incompletely? (Student: Incompletely.) Let him speak, will you not? Speak up. *Arey*, does Jagdamba recognize the Father completely or incompletely? Does she have an inert intellect or a conscious intellect? (Student: a conscious intellect.) Conscious intellect? Does she recognize him completely?
Fifth student: She recognizes him and then she leaves him.
Baba: When she leaves him, how did she recognize him? Why will someone who has recognized him completely leave him?

छठा जिज्ञासुः वेदान्ती नाम क्या है और इसका अर्थ क्या है?
बाबाः ये तो इनसे पूछो। मुरली में तो सिर्फ इतना आया है कि बापदादा ने, ब्रह्मा बाबा ने रंजना नाम की कोई कन्या थी अहमदाबाद की, वो सरेन्डर हो गई। तो उसको एग्जाम में प्रश्न आया गीता के भगवान कौन? तो उसने नाम लिख दिया गीता का भगवान शिवबाबा। गीता का भगवान कृष्ण नहीं है। तो उसको फेल कर दिया। तो बाबा ने कहा ये तो बच्ची बहुत ज्ञानी है। बहुत शास्त्रों की जानकारी, इसने सच्ची बात लिखी तो भी इसको फेल कर दिया। आगे चलके बच्ची का नाम बाला होगा। और ये बच्ची जो है, इसका नाम रंजना बदल देते हैं। इसका नाम वेदान्ती रखते हैं। बाबा खुश हो गए इस बात पर कि बाबा की बात को उसने एग्जाम में लिख दिया। बेधड़क लिख दिया, भल फेल हो जाओ। कोई हर्जा नहीं। तो उसका नाम वेदान्ती रखा। जाओ, तुम वेदों, शास्त्रों का अन्त करो। अन्त करने वाली हो।

Sixth student: What is the meaning of the name Vedanti?
Baba: Ask this person. Just this much has been mentioned in the murli that Bapdada, Brahma Baba; there was a virgin named Ranjana from Ahmedabad who surrendered. So, she got a question in the *exam*: who is God of Gita? So, she wrote the name, Shivbaba is God of the Gita. God of the Gita is not Krishna. So, she was failed. Baba said [for her,] this daughter (*bachchi*) is very knowledgeable. She has a lot of knowledge of the scriptures; although she

[11] Those who belong to Sun dynasty
[12] Those who belong to the dynasty of wanderers

wrote the truth, she was failed. This daughter will become famous in future. And let's change this daughter Ranjana's name. Let us name her Vedanti. Baba was happy that she wrote Baba's words in the *exam*. She wrote it fearlessly. [She thought,] let me *fail*, it doesn't matter. So, she was named Vedanti. Go and end the Vedas and scriptures. You are the one to put an end to them... (to be continued)

Extracts-Part-6

समयः 43.22-43.50

जिज्ञासुः बाबा, प्रेमकान्ता बहन थी ना । वो अब कहाँ है, कैसी है, क्या हम पूछ सकते हैं बाबा से ?

बाबाः पहले भी दिल्ली में थी। अभी भी दिल्ली में है।

जिज्ञासुः बाहर है बाबा?

बाबाः नहीं, दिल्ली में है।

जिज्ञासुः ज्ञान से बाहर है, एडवांस से बाहर है या...?

बाबाः एडवांस ज्ञान से बाहर है। मिलो, मिलो, मिलो।

Time: 43.22-43.50
Student: Baba, there was a sister Premkanta, wasn't there? Where is she now? How is she? Can we ask Baba about her?
Baba: She was in Delhi in the past as well. She is in Delhi even now.
Student: Baba, is she outside?
Baba: No, she is in Delhi.
Student: Has she left the knowledge, the advance [knowledge] or…?
Baba: She has left the advance knowledge. [Go and] meet [her].

समयः 43.52-45.30

जिज्ञासुः बाबा, ऐसा आत्मा निकला है पोखरा में। उसके बारे में हम पूछना चाहते हैं बाबा, छोटा शरीर होते हुए भी नाम बाला हो गया है अभी।

बाबाः क्या छोटा शरीर होते हुए भी?

जिज्ञासुः एक छोटा सा बालक है बाबा। उसने एक कन्या सेती के उस किनारे में गिरी, उस बालक ने निकाला।

बाबाः उस छोटे बालक ने उस कन्या को नदी में से निकाल लिया?

जिज्ञासुः निकाल लिया बाबा। और उसका बहुत नाम बाला हो गया।

बाबाः उसका नाम बाला हो गया?

Time: 43.52-45.30
Student: Baba, a soul has emerged in Pokhra. Baba, I want to ask about him that he has become famous despite having a small body.
Baba: What? Despite having a small body?
Student: Baba, there is a small child. He saved a girl from drowning, who fell in the river Seti.
Baba: That small boy took that girl out from the river?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, he took her out [of the river]. And he became very famous.
Baba: He became famous?

जिज्ञासुः उसका विशेष पार्ट था या विशेष आत्मा है?
बाबाः पूर्वजन्म का हिसाब-किताब है उस कन्या के साथ, तो गिर गई तो फटाक से हिम्मत करके निकाल लाया।
दूसरा जिज्ञासुः कोई निकाल नहीं सका। वो ही जाकर निकाला ।
बाबाः देख लो। उसका पूर्व जन्म का कोई हिसाब-किताब होगा आत्मा का। तो वो ही निकाल के ले आया।
जिज्ञासुः अभी तो उसको राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय वाले सब मानते हैं।
बाबाः हाँ, तो अच्छी बात है ना। छोटा बच्चा भी कोई अच्छा हिम्मत का काम करके दिखाए तो दूसरों को प्रेरणा मिलती है ना।
जिज्ञासुः वो कैसा आत्मा होगा बाबा?
बाबाः अच्छी आत्मा होगा। नहीं तो अपनी मौत से तो सब डरते हैं। अरे हम न कहीं डूब जाएं।
जिज्ञासुः उससे पहले तो वो चोरी करके सड़क में घूम के खाता था।
बाबाः ये थोड़ेही देखा जाता है। वाल्मीकि पहले क्या करता था? डकैती डालता था। फिर? इतना बड़ा कवि बन गया। क्या आदमी सुधर नहीं सकता? बिगड़ा हुआ आदमी सुधर भी तो सकता है।

Student: Did he have a special part or is he a special soul?
Baba: He has karmic accounts of previous births with that virgin; so, when she fell [in the river], he brought her out immediately courageously.
Another student: Nobody was able to bring her out. He brought her out.
Baba: Look! There must be some karmic accounts of past birth with that soul. So, he himself brought her out.
Student: Now he is recognized nationally and internationally.
Baba: Yes. So, it is good, isn't it? Even if a small child performs a courageous task, it gives inspiration to others, doesn't it?
Student: Baba, what kind of a soul he will be?
Baba: He will be a good soul. Otherwise, everyone fears his death [and think:] *Arey*, I should not drown.
Student: Prior to that he used to survive by stealing and wandering on the street.
Baba: This is not considered. What did Valmiki use to do earlier? He used to indulge in robbery. Then? He became such a big poet. Can't a person reform? A spoilt person can also reform.

समयः 45.58-46.45
जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी का आवाहन करने के लिए घर की सफाई चाहिए।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः लक्ष्मी का आवाहन करने के लिए महाकाली आएगी और सफाई कर देगी। लक्ष्मी का आवाहन करना माने महाकाली अपने आप ही आ जाएगी।
जिज्ञासुः महाकाली का आवाहन करना नहीं पड़ेगा?
बाबाः महाकाली का आवाहन करोगे तो महाकाली तुम्हारे ऊपर सवार होगी।
जिज्ञासुः वो अपने आप आके झाडू लगाएगी?
बाबाः बिल्कुल। वो तो दासी है। दासी क्या करती है? दासी को बुलाना पड़ता है कि अपने आप आती है? अपने आप आती है। और वो तो तैयार खड़ी है। दोनों हाथों में झाडू ले करके (किसी कुछ कहा।)हाँ, तैयार खड़ी है, हमको जरूरत पड़े तो हम काम करेंगे।

Time: 45.58-46.45
Student: Baba, the house is required to be cleaned in order to invoke Lakshmi.
Baba: To invoke Lakshmi, Mahakali will come and do the cleaning. To invoke Lakshmi means that Mahakali will come automatically.
Student: Will we not have to invoke Mahakali?
Baba: If you invoke Mahakali, then Mahakali will ride on you.
Student: She will automatically come and sweep?
Baba: Certainly. She is a maid. What does a maid do? Is a maid required to be called or does she come automatically? She comes on her own. And she is standing ready. She is standing ready with a broom in each hand. (Someone said something.) Yes. She is standing ready that if required she will work.

समयः 46.50-49.35
जिज्ञासुः बाबा ने मुरली में बोला है कोई भी सवार सवारी में सारा दिन सवार नहीं करता है।
बाबाः ठीक है।
जिज्ञासुः तो शिवबाबा भी जब नंदीगण में आते हैं।
बाबाः शिवबाबा नंदीगण में नहीं आते हैं। शिवबाबा बैल में प्रवेश करते हैं जानवरों में?
जिज्ञासुः माना जिस रथ में आते हैं, उसको नंदीगण लिखा हुआ है उसमें।
बाबाः शिवबाबा बैल में सवारी नहीं करते। ये भक्तिमार्ग वाले कहते हैं। वास्तव में शिवबाबा तो मनुष्य तन में आते हैं। जो मनन-चिंतन-मंथन करने वाला है। जिसको तीसरा नेत्र दिखाया जाता है। लेकिन जिसमें आते हैं शिव बाप, वो व्यक्ति, वो मुकर्रर रथधारी जो है वो बैल पर सवारी करता है। बैल है ब्रहमा। जो मनन-चिंतन-मंथन नहीं करता है।
जिज्ञासुः तो सारा दिन सवारी नहीं करते।
बाबाः सारा दिन सवारी थोड़ेही होती है।

Time: 46.50-49.35
Student: Baba has said in a murli that no passenger rides on the vehicle throughout the day.
Baba: It is correct.
Student: So, when Shivbaba also comes in Nandigan (group of bulls)...
Baba: Shivbaba does not come in Nandigan. Does Shivbaba enter bull, an animal?
Student: I mean, the chariot in which He comes has been mentioned as Nandigan in it.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Shivbaba does not ride on a bull. The people of the path of *bhakti* say this. Actually, Shivbaba comes in a human body who thinks and churns, the one who has been shown to have the third eye. But the one in whom the Father Shiva comes, that person, that permanent chariot rides on the bull. Brahma is the bull who does not think and churn.
Student: So, He does not ride throughout the day.
Baba: He does not ride throughout the day.

जिज्ञासुः तो शिवबाबा भी जो मुकर्रर रथ में आते हैं वो सारा दिन तो नहीं रहते।
बाबाः शिवबाबा जिस रथ में आते हैं वो कोई बैल है क्या? अपने रथ पर जब आत्मा सवार हो सकती है तो दूसरी आत्मा उस पर सवार नहीं हो सकती है?
जिज्ञासुः तो सारा दिन सवार होती है कि थोड़ी देर के लिए?
बाबाः वो तो बैल के ऊपर बताया। वो कोई सवारी थोड़ेही है? वो तो आत्मा शरीरधारी है। मनुष्य तन है।
जिज्ञासुः तो कंटीन्यू हर टाइम वो उसमें साथ रहते हैं।
बाबाः बिल्कुल। ऐसे ही समझना चाहिए कि शिवबाबा सदैव है ही है। अगर ये समझेंगे अभी इसमें शिवबाबा है, अभी इसमें बैल है तो बैल याद आ गया तो पतित, हमारा संग बैल के साथ हुआ या परमात्मा बाप के साथ हुआ? बैल के साथ संग हो जाएगा। संग का रंग बैल का लग जाएगा। किसका संग चाहिए तुमको?
जिज्ञासुः शिवबाबा का।
बाबाः शिवबाबा का संग चाहिए तो बैल को क्यों याद करते हो?
जिज्ञासुः नहीं वो साकार मुरली में सुनाते हैं ना।
बाबाः साकार मुरली में ये भी तो सुनाते हैं कि तुमको सदैव यही समझना चाहिए कि शिवबाबा ही है।

Student: So, Shivbaba also does not stay throughout the day in the permanent chariot in which He comes.
Baba: Is the chariot in which Shivbaba comes, a bull? When a soul can ride on its chariot, can't another soul ride on it?
Student: So, does it ride throughout the day or for some time?
Baba: That has been mentioned about the bull. He (the chariot) is not a vehicle. He is a soul with a body. It is a human body.
Student: So, He remains continuously in him.
Baba: Definitely. You should think only this: Shivbaba is always present [in him]. If you think that now Shivbaba is present in this one; now the bull is in this one, then if we remember the bull, did we keep the company with the sinful one, the bull or with the Supreme Soul Father? You will establish company with the bull. You will be coloured by the company of the bull. Whose company do you wish to have?
Student: Shivbaba's.
Baba: You wish to have the company of Shivbaba; so, why do you remember the bull?
Student: No, it is narrated in the *saakar* murli, isn't it?
Baba: It is also narrated in the *saakar* murli that you should always think that he is Shivbaba.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः माउंट आबू में ब्रह्मा के शरीर के लिए नंदीगण बोलते हैं। सवार हो गया, शिवबाबा को जैसे सवार हो गए। तो शिवबाबा सारा दिन कोई सवार पर सवार नहीं होते। जब मुरली चलाने का टाइम होता है तो बाबा आते हैं।

बाबाः पास्ट की बात क्यों याद करते? अभी तुम्हें ज्ञान मिल गया नया। नये ज्ञान में तो तुमने जान लिया कि शिवबाबा कोई जानवर में नहीं आते।

जिज्ञासुः जानवर में नहीं आते, लेकिन जिस रथ में आते हैं...।

बाबाः जिस रथ में आते हैं मुकर्रर रथ मनुष्य तन है।

जिज्ञासुः मनुष्य तन है। उसमें सारा दिन सवार होते हैं?

बाबाः हाँ, बिल्कुल। शिवबाबा ऐसे ही समझ लिजिए शिवबाबा सदैव है ही है। मुकर्रर रथ है। मुकर्रर रथ है तो मुकर्रर का मतलब क्या हुआ? मुकर्रर का मतलब क्या हुआ? मुकर्रर माना परमानेंट। परमानेन्ट माने? सदाकाल। सदैव है ही है।

Student: Brahma's body is called Nandigan in Mount Abu. He is the vehicle. He is like the vehicle of Shivbaba. So, Shivbaba does not ride the vehicle throughout the day. Baba comes when it is time to narrate the murli.
Baba: Why do you remember the topics of the past? Now you have received the new knowledge. You have come to know in the new knowledge that Shivbaba does not come in an animal.
Student: He does not come in an animal, but the chariot in which He comes...
Baba: The chariot in which He comes is the permanent chariot, a human body.
Student: It is a human body. Does He ride on him throughout the day?
Baba: Yes, definitely. You should think that Shivbaba is always present. He is the permanent chariot (*mukarrar rath*). When he is the permanent chariot, then what is meant by permanent (*mukarrar*)? What is meant by *mukarrar*? *Mukarrar* means *permanent*. What is meant by *permanent*? Forever; He is always present. ...(to be continued.)

Extracts-Part-7

समयः 51.48-52.40

जिज्ञासुः बाबा, स्वर्ग स्थापन के लिए भारत को ही क्यों चुना गया?

बाबाः भारत को इसलिए चुना गया कि भारत में ही भगवान इसलिए आते हैं कि भारत सदैव पवित्र रहता है। कन्याओं-माताओं का जितना मान भारत में है, उतना और किसी दूसरे देश में नहीं है। कन्याओं के लिए पवित्रता के लिए यहाँ घर-घर में कितना महत्व दिया जाता है। कन्याओं की सुरक्षा के लिए माँ-बाप जान भी दे देते हैं। ऐसा दूसरे देशों में तो नहीं होता। कन्याओं को खुला छोड़ देते हैं - जाओ, अपना पति चुनो जाके।

दूसरा जिज्ञासुः दायित्व ज्यादा लेता है ना बाबा।

बाबाः हाँ, ज्यादा जिम्मेवारी लेते हैं भारतवासी कन्याओं की। दूसरे देश वाले कन्याओं की इतनी जिम्मेवारी नहीं लेते हैं। बड़ी हो जाएंगी तो धक्का देके निकालेंगे बाहर जाओ। चाहे जहाँ मरो जाके।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 51.48-52.40
Student: Baba, why was only India chosen for the establishment of heaven?
Baba: India was chosen and God comes only in India because India always remains pure. The extent to which virgins and mothers are respected in India, they are not respected in any other country to that extent. Here, so much importance is given for the purity of virgins in every home. Parents sacrifice even their lives for the safety of virgins. It does not happen in other countries. They let the virgins free: Go and choose your husband.
Another student: Baba, they take more responsibility (*daaitva*), don't they?
Baba: Yes, the Indians take more responsibility (*jimmevari*) of the virgins. People of other countries do not take the responsibility of the virgins to that extent. When they grow up, they are pushed out. Get out. Go and die wherever you wish.

समयः 53.06-54.40
जिज्ञासुः लड़के की शादी होती है तो भारत की परंपरा है कि लड़केवाले लड़कीवालों से दहेज मांगते हैं। ये क्यों परंपरा ऐसी चली?
बाबाः लड़कीवाले मांगते हैं?
Time: 53.06-54.40
Student: It is an Indian tradition that when a son's marriage is performed, the bridegroom's father seeks dowry from the bride's father. Why did such a tradition start?
Baba: Does the bride's father seek?

जिज्ञासुः लड़केवाले। क्यों टीका वगैरा मांगना, वो दहेज मांगना। ये सब क्यों मांगते हैं?
बाबाः ये तो भक्तिमार्ग की परंपराएं हैं। ब्रह्माकुमारियों ने ये शुरु कर दिया। फाउन्डेशन ऐसा डाल दिया है। जब कन्या सरेन्डर होगी तो लाख रुपया दो, दो लाख रुपया दो, चार लाख रुपया दो। तब सरेन्डर करेंगे। ये गलत परंपराएं उन लोगों ने डाल दी झूठे ब्राह्मणों ने। तो वो ही झूठे ब्राह्मणों की परंपरा भक्तिमार्ग में चल रही है। शिवबाबा थोड़ेही कहते हैं कि कन्या के साथ इतना देना, उतना देना? जब कन्या ही दे दी तो और क्या चाहिए?
दूसरा जिज्ञासुः बीके सेन्टर में जो कन्या जाती है उनकी शादी में दुनियां में जितना खर्चा होता उतना पैसा चाहिए बोलते हैं।
बाबाः चाहिए - तो ये फाउन्डेशन डाल दिया ना दहेज देने का। तो कौन मांगता है?
दूसरा जिज्ञासुः तुम्हारा बेटी कौन पालेगा? कैसे पालेंगे?
बाबाः हाँ, तो कौन मांगता है? ये मांगने की परंपरा किसने डाली?
दूसरा जिज्ञासुः बी.के सिस्टर्स।
बाबाः बी.के सिस्टर्स नहीं। बी.के सिस्टर्स के पीछे जो ब्रदर बैठे हुए हैं, उनको पैसा चाहिए। हाँ। वो सारे उल्टे-पुल्टे काम कराते हैं। ये परंपरा जो चली आ रही है भक्तिमार्ग में कि कन्या से दहेज लेना है, कन्या के घरवालों से, ये परंपरा बीके में डाली जाती है। हर बात की परंपरा संगमयुग में डाली जाती है। बाबा तो नहीं कहते कि कन्या के साथ इतना धन देना है। बाबा कहते हैं क्या? नहीं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: The bridegroom's father. Why do they seek *teeka* (wedding gifts), dowry (*dahej*)?
Baba: These are traditions of the path of *bhakti*. Brahmakumaris started this. They have laid such a *foundation*. When the virgin is surrendered, [they seek:] Give one lakh rupees, give two lakh rupees, give four lakh rupees; then we will allow her to *surrender*. Those people, the false Brahmins have laid these wrong traditions. So, the same tradition of false Brahmins is continuing in the path of *bhakti*. Shivbaba does not say that you should give this much or that much [money] along with the virgin? When you have given the daughter herself, what else is required?
Another student: They say that they want the money that would have been spent in the world for marriage of the virgin who goes to the BK center.
Baba: 'Want'… so, they laid this *foundation* of giving dowry, didn't they? So, who seeks?
Another student: [They say:] who will sustain your daughter? How will we sustain [her]?
Baba: Yes, so, who seeks? Who laid the tradition of seeking?
Another student: BK Sisters.
Baba: Not the *BK sisters*. The brothers who are behind the *BK sisters* require the money. Yes. They make them do all the wrong tasks. The tradition that is going on in the path of *bhakti* that dowry should be taken from the virgin, from the family members of the virgin is laid in the BK (basic knowledge). The tradition for everything is laid in the Confluence Age. Baba does not say to give so much money along with the virgin. Does Baba say? No.

समयः 01.02.20-01.03.53
जिज्ञासुः बाबा, आपने कहा विस्तार में नहीं जाना, सार में जाना है।
बाबाः ठीक है।
जिज्ञासुः विचार सागर मंथन करेंगे तो विस्तार में जाएंगे ना।
बाबाः ठीक है विस्तार में जाके फिर जब मौका मिले तो फिर सार में, बिन्दी में टिक जाओ। जितना बिन्दी को याद करेंगे, उतना विस्तार में बुद्धि अपने आप भागेगी। 63 जन्म आत्मा का क्या प्रैक्टिस है? आत्मा की प्रैक्टिस है विस्तार में जाने की। अब बाबा क्या करा रहे हैं? वो 63 जन्मों के विस्तार से हटकरके कहाँ जाओ? (जिज्ञासु - सार में।) सतयुग त्रेता के बिन्दी आत्मा। मैं आत्मा क्या हूँ? बिन्दी आत्मा हूँ। वहाँ सबको आत्मा याद रहेगी। कहाँ? सतयुग त्रेता में। वहाँ किसी को देह याद आएगी ही नहीं। देह याद आएगी भी तो भी उस आत्मा के साथ देह याद आएगी। जैसे कृष्ण राधा को याद करता है, राधा के ऊपर दृष्टि जाती है। राधा की दृष्टि कृष्ण के ऊपर जाती है। तो देह तो है लेकिन साथ-साथ क्या है? आत्मा भी है। कोई दूसरी आत्मा याद नहीं आएगी। इसलिए सार में जाने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। और विस्तार में जाने के लिए कोई मेहनत की दरकार नहीं है।

Time: 01.02.20-01.03.53
Student: Baba, you said that we should not go into details (expanse), we should go into essence.
Baba: It is correct.
Student: If we think and churn we will go into details, won't we?
Baba: OK, go into the details and then whenever you get a chance, become constant in the essence, on the point again. The more you remember the point, the more your intellect will run into the details automatically. What has been the *practice* of the soul for 63 births? The

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

soul's *practice* is to go into details. What is Baba making us do now? Divert yourself from the expanse of 63 births to what? (Student: To the essence.) [The stage of being a] point soul [like in] the Golden and Silver Ages. What am I, the soul? I am a point soul. There, everyone will remember the soul. Where? In the Golden Silver Ages. There, nobody will remember the body at all. Even if we remember the body, we will remember the body along with the soul. For example, Krishna remembers Radha; he looks at Radha. Radha looks at Krishna. So, the body does exist, but what is there along with it? The soul also exists. No other soul will come to the mind. This is why you have to work hard to go into the essence. And there is no need for any hard work to go into the details.

समयः 01.06.10-01.09.50

जिज्ञासुः बाबा, पीपल के पेड़ के नीचे बैठ के पूजा करने का अर्थ क्या है?

बाबाः हाँ। कहते हैं कि जब नई सृष्टि रची गई तो पहले-पहले सागर में पीपल के पत्ते पर श्री कृष्ण बच्चा आया। सृष्टि का पहला पत्ता कौन? (जिज्ञासु - श्रीकृष्ण।) श्रीकृष्ण। तो श्रीकृष्ण वाली आत्मा माने ब्रहमा वाली आत्मा। सन् सत्तासी में, 87 में पीपल के पत्ते में गर्भ के रूप में विराजमान आई। इसका मतलब पीपल का पत्ता कोई दूसरी आत्मा है। कौन है सबसे ज्यादा हिलने-डुलने वाला पत्ता कौनसा होता है? (जिज्ञासु - पीपल का।) पीपल का। जैसे और पत्ते इतने हवा के झोंके से नहीं हिलेंगे। लेकिन पीपल का पत्ता? ज्यादा हिलेगा। क्योंकि 84 जन्म लेने वाला है कृष्ण। तो वो जो आत्मा है जगदम्बा की या ब्रहमा वाली आत्मा, जो उसमें प्रवेश करती है, वो माया के झोंके ज्यादा आते हैं। सबसे ज्यादा हिलती-डुलती है। वो हिलने-डुलने वाली आत्मा है। इसलिए पीपल का पत्ता नवैया के रूप में दिखाया है। उस नवैया में, यानी जगदम्बा के व्यक्तित्व में वो कृष्ण की सोल प्रवेश होती है। प्रवेश होती है माना गर्भ महल दिखाया गया है। वो गर्भ महल में वो कृष्ण वाली आत्मा आराम से अपने स्मृति रूपी अंगूठा चूसते हुए दिखाई गई। संसार सागर में पड़ी हुई है। सागर कैसा है? विषय सागर। उस विषय सागर में जगदम्बा की सोल अपना पार्ट बजाती है। किसके बीच में है? विधर्मियों के बीच में है, विकारियों के बीच में है कि निर्विकारियों के बीच में है? (जिज्ञासु - विकारियों के बीच में।) विकारियों के बीच में। तो विषय सागर हो गया।

Time: 01.06.10-01.09.50

Student: Baba, what is meant by sitting under the fig (*peepal*) tree and worshipping it?

Baba: Yes. It is said that when the new world was created, first of all child Shri Krishna came on a fig leaf in the ocean. Who is the first leaf of the world? (Student: Shri Krishna.) Shri Krishna. So, the soul of Shri Krishna means the soul of Brahma. It came sitting on a fig leaf in the form of a fetus in the year 87. It means that the fig leaf is some other soul. Who is it? Which leaf shakes the most? (Student: The fig leaf.) The fig [leaf]. Other leaves do not shake so much when the wind blows. But what about the fig leaf? It will shake more because Krishna has 84 births. So, the soul of Jagdamba or the soul of Brahma, which enters her, faces blows of Maya more. It shakes the most. It is a soul that shakes. This is why the fig leaf is shown as a boat. The *soul* of Krishna enters that boat, i.e. the personality of Jagdamba. It enters, i.e. a palace like womb has been depicted. That soul of Krishna has been shown sucking the thumb like remembrance comfortably in the palace like womb. It is lying in the ocean like world. How is the ocean? It is an ocean of vices. In that ocean of vices, the *soul* of

Jagdamba plays her *part*. She is among whom? Is it among the *vidharmis*[13], among the vicious ones or is she among the ones without vice? (Student: Among the vicious ones.) Among the vicious ones, so, it is an ocean of vices.

उस विषय सागर में रहते हुए भी वो नैया डोलेगी, हिलेगी, डुलेगी, लेकिन डूबेगी नहीं। क्यों नहीं डूबेगी? क्योंकि उसमें कृष्ण जैसी श्रेष्ठ आत्मा, पवित्र आत्मा विराजमान है। इसलिए पीपल के पत्ते पर कृष्ण को दिखाते हैं। नांव बनाई हुई है। इतनी हलकी नांव होती है कोई? और दूसरे रुद्र माला के मणके हैं। वो फिर भी मजबूत हैं। लेकिन वो पत्ता बहुत हल्का फुल्का है। लेकिन डूबेगा नहीं। क्योंकि पावरफुल सोल उसमें विराजमान है।
जिज्ञासुः उसमें हर घड़ी विराजमान रहता है या कभी-कभी?
बाबाः तुम्हारी यही समस्या है। हर घड़ी विराजमान समझ लो। ऐसे तो उस आत्मा का पार्ट दो तरफा है।
जिज्ञासुः आपके पास भी आता है ना।
बाबाः दो तरफा पार्ट ये है कि जब बीजरूपी स्टेज में होता है तो राम वाली आत्मा में प्रवेश करता है। जब सूक्ष्म शरीर से होता है तो दूसरे शरीरों में प्रवेश करता है। जैसे गुल्ज़ार दादी में भी प्रवेश करता है। गुल्ज़ार दादी में प्रवेश अब धीरे-धीरे बंद होता जाएगा। (किसी ने कहा- कम हो रहा है।) हाँ, जो बेहद की गुल्जार है उसमें प्रवेश होता जाएगा।
दूसरा जिज्ञासुः बेहद की गुल्जार क्या नंबर वन गुल्ज़ार बन जाएगी?
बाबाः बिल्कुल।
दूसरा जिज्ञासु : ब्रह्मा बाबा अंत तक प्रवेश करते रहेंगे।
बाबा: प्रत्यक्ष होने से पहले, संगमयुगी कृष्ण की प्रत्यक्षता होने से पहले प्रवेश होता ही रहेगा।

Despite being in that ocean of vices, that boat will shake, waver, but it will not sink. Why will it not sink? It is because a righteous soul, pure soul like Krishna is present in it. This is why Krishna is shown on the fig leaf. A boat [of fig leaf] has been prepared. Is any boat so light? Other beads of the rosary of Rudra are anyway strong. But that leaf is very light. But it will not sink because a *powerful* soul is present in it.
Student: Is it present in her every moment or sometimes?
Baba: This is the only problem of yours. Think that it is present every moment. In a way, that soul has a two sided role.
Student: It comes to you as well, doesn't it?
Baba: Its two sided *part* is that when it is in a seed form stage it enters the soul of Ram. When it is in a subtle body, it enters other bodies. For example, it enters Dadi Gulzar as well. Now, the entrance in Dadi Gulzar will stop gradually. It will start entering the unlimited Gulzar.
Another student: Will the unlimited Gulzar become number one Gulzar (garden)?
Baba: Definitely.
Another student: Brahma Baba will enter her till the end.

[13] Those who have religion opposite to one of the Father

Baba: Before being revealed, up until the revelation of the Confluence Age Krishna, he will continue to enter.

समयः 01.11.50-01.12.40

जिज्ञासुः बाबा, जब राम सीता को वरण करने के लिए जाता है, वो धनुष जब वो उठाता है तो वो धनुष टूट जाता है। इसका बेहद में अर्थ क्या है?

बाबाः टूट नहीं जाता है अपने आप। तोड़ देता है। वो शिव का धनुष जो है... शिव का धनुष था। किसका धनुष था? शिव का धनुष था। दधीची ऋषि की हड्डियों से बनाया गया था। अपने ज्ञान में दधीची ऋषि कौन है? ब्रह्मा बाबा। ब्रह्मा बाबा ने जो पुरुषार्थ किया, उस पुरुषार्थ को भी तोड़ करके आगे कौन चला गया? राम वाली आत्मा। उस पुरुषार्थ रूपी धनुष को भी तोड़ दिया। (जिज्ञासु : उससे भी आगे गया।) हाँ। उसको भी क्रास कर गया। आगे निकल गया।

Time: 01.11.50-01.12.40

Student: Baba, when Ram goes to marry Sita, when he lifts the bow, that bow breaks. What does it mean in an unlimited sense?

Baba: It does not break on its own. He breaks it. That bow of Shiva… It was Shiva's bow. Whose bow was it? It was Shiva's bow. It was made of the bones of sage Dadhici. Who is sage Dadhici in the knowledge? Brahma Baba. Who crossed the *purushaarth* (spiritual effort) made by Brahma Baba and leaped ahead of him? The soul of Ram. He broke that *purushaarth* in the form of bow as well. (Student: He went ahead him.) Yes. He crossed him as well. He went ahead of him.

समयः 01.13.00-01.14.30

जिज्ञासुः बाबा, हर घर में जो दुःशासन है उसको भगाने के लिए कैसे शक्ति जमा करें?

बाबाः ये कहाँ कहा भगाने ? पिछले जन्म में तुम नहीं थे दुःशासन-दुर्योधन थे? थे कि नहीं? (जिज्ञासु - थे।) हाँ तो भगाने की क्या बात? भगाना क्यों है? अपने मन को कंट्रोल करना है। ये दुर्योधन-दुःशासन घर-2 में बैठे हुए हैं। दुर्योधन-दुःशासन अपनी पत्नी के ऊपर कुछ अत्याचार करता है, जोर जबरदस्ती करता है, तो पत्नी का काम है सहन करना। क्या सहन करना ? अपने मन को बाबा की याद में ऊपर उड़ा दो। खुद मुर्दा बन जाओ। मुर्दे से कोई कब तक प्यार करेगा? करेगा? एक बार करेगा, दो बार करेगा, चार बार। हट! मुर्दा है। छोड़-छाड़ के भाग खड़ा होगा। भगाने की क्या बात है?

बड़ी मुश्किल काम है।☺ अरे कंट्रोल अपने मन को करना है, कोई दूसरे को थोड़ेही कंट्रोल करना है?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा ने एक कैसट में कहा कि जब तुम दूर्गा बन जाओगी या पूरा शक्तियाँ धारण करोगी तो कोई दुर्योधन-दुःशासन पास में आ ही नहीं सकेगा, ठहर ही नहीं सकेंगे। वो खुद ही चले जाएंगे।

बाबाः ब्रह्माकुमारियों की शादी नहीं हुई, इसीलिए गंछे मार रहीं हैं।☺

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासुः बाबा ने कहा ये बोल रहे हैं हम।☺

Time: 01.13.00-01.14.30
Student: Baba, how should we accumulate strength to chase away the Dushasans in every home?
Baba: Who said to chase them away? Were you not Dushasan-Duryodhan in the past births? Were you or not? (Student: We were.) Yes, so where is the question of chasing them away? Why to chase them away? You have to *control* your mind. These Duryodhans and Dushasans are sitting in every home. If Duryodhan-Dushasan[14] makes his wife suffer atrocity, if he acts forcibly, then it is the task of the wife to tolerate. How to tolerate? Make your mind fly above in Baba's remembrance. Become a corpse. How long will someone love the corpse? Will he? He will love once; he will love twice, four times. [Then he will think:] Out of the way! She is a corpse. He will leave you and run away. Where is the need to chase him away? [You think:] it is a very difficult task.☺ *Arey*, you have to *control* your own mind. You don't have to *control* someone else.
Second student: Baba has said in a cassette that when you become Durga (a goddess) or will assimilate all the powers, no Duryodhan-Dushasan will be able to come closer to you at all, they will not be able to stay at all. They will leave automatically.
Baba: Brahmakumaris are not married this is why she is boasting.☺
Second student: I am saying that 'Baba has said this'.☺ (Concluded).

....
Note: - The question at time 07.50 – 10.20 in Part-1 of this discussion was edited to go with Baba's answer.

[14] Villainous character in the epic Mahabharat

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info